**परियोजना का नाम -**

# सलहेस उत्सव, बिहार के लिए संदर्भ सूची (inventory) के निर्माण हेतु सर्वे एवं डाटा संकलन : सात जिलों में

मिथिला के सात जिलों-
मुजफ्फरपुर, वैशाली, खगड़िया, पूर्णिया, सहरसा, सुपौल और मधेपुरा

प्रस्तुत रिपोर्ट में मिथिला के कुल 13 जिलों (इस वर्ष के सात व पिछले वर्षों में किए गए छः जिलों) का डाटा शामिल किया गया है -

मुजफ्फरपुर, वैशाली, खगड़िया, पूर्णिया, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण (मोतीहारी) व पूर्णियाँ,

**कार्ययोजना -**

सलहेस उत्सव परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2015-16 में भारतीय मिथिला क्षेत्र के सात जिलों- मुजफ्फरपुर, वैशाली, खगड़िया, पूर्णिया, सहरसा,

सुपौल और मधेपुरा में डाटा संकलन का कार्य किया गया है। इसके अलावे भारत के मिथिला क्षेत्र के अन्य जिलों - मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण (मोतीहारी) व पूर्णियाँ सलहेस उत्सव से संबन्धित डाटा संकलन का कार्य पूर्व में हो चुका है। इन जिलों का डाटा भी इस अंतिम रिपोर्ट में सहामिल किया जा रहा है। प्रस्तुत्त अंतिम रिपोर्ट में मिथिला (भारत) के कुल 13 जिलों का डाटा को शामिल किया जा रहा है। इस डाटा को संकलन करने में व्यक्तिगत, संस्थागत तथा वर्तमान कालखंड में उपलब्ध संचार माध्यमों आदि को डाटा संकलन के लिए प्रयोग किया गया है। सलहेस उत्सव की समाज में जीवंतता व  प्रासंगिकता की नज़र से देखा जाए तो सलहेस उत्सव का पनधारी (stakeholders) मिथिला का समस्त समाज है। चूंकी, राजा सलहेस मैथिल समाज के जाति विशेष के कुलदेवता हैं, तथा सलहेस उत्सव के आयोजन में मुख्य भूमिका इसी “दुसाध” जाति की होती है, या दूसरे शब्दों में मैथिल समाज का प्रमुख सामाजिक आयोजन “सलहेस उत्सव” के मुख्य आयोजक दुसाध जाति के लोग ही हैं इसलिए इस रिपोर्ट में प्रमुख पनधारियों में मुख्य रूप से इन्हें इस जाति के डाटा को शामिल किया गया है। लोक देवता राजा सलहेस की पूजा में मुसहर जाति के देवता- दीनाभद्री तथा यादव (अहीर) जाति के देवता - भुईयां बाबा की भी पूजा की जाती है। व्यक्तिगत रूप से भी इन्हीं जाति विशेष से संबन्धित होने के कारण भी सलहेस उत्सव के संरक्षण व संवर्द्धन के लिए कार्य जारी रहेगा।

## सलहेस उत्सव का कार्यक्षेत्र -

मिथिला क्षेत्र, उत्तर बिहार, भारत तथा तराई क्षेत्र, नेपाल।

(परियोजना के प्रस्तुत में डाटा संकलन का कार्य केवल मिथिला क्षेत्र भारत में किया गया है)

## सांस्कृतिक विरासत/परंपरा का नाम (क्षेत्रीय, स्थानीय, हिंदी, एवं अंग्रेजी) -

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत योजना के अंतर्गत **सलहेस उत्सव**, **बिहार** के नाम इस प्रकार है -

| क्षेत्रीय नाम | हिंदी नाम | अंग्रेजी नाम | तिरुहुता या मिथिलाक्षर लिपि में नाम |
|---|---|---|---|
| सलहेस पूजा | सलहेस उत्सव | Salhes Utsav | |

## सलहेस उत्सव, बिहार के परम्परा से संबंधित समुदाय का भौगोलिक, भाषिक क्षेत्र और भाषा, उपभाषा एवं बोली का विवरण -

सलहेस उत्सव का भौगोलिक प्रभाव क्षेत्र: - मिथिला (भारत व नेपाल) का प्रमुख सामाजिक उत्सव का भौगोलिक प्रभाव क्षेत्र को मध्य काल राजनैतिक नक्शे से समझा जा सकता है, यह प्राचीन मिथिला का मानचित्र

है। वर्तमान मिथिला राजनीतिक रूप से दो भागों में बंटा हुआ है - एक भाग भारत में उत्तर बिहार का क्षेत्र और दूसरा भाग नेपाल का मैदानी क्षेत्र:

भारत स्थित मिथिला का वर्तमान मिथिला क्षेत्र नेपाल सीमा से लेकर दक्षिण गंगा तट और कुछ भाग गंगा से दक्षिण भी स्थित है। इसमें मुजफ्फरपुर, वैशाली, खगड़िया, पूर्णिया, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण (मोतीहारी) व पूर्णियाँ, बेगुसराय, शिवहर, खगड़िया, भागलपुर आदि सहित अन्य ज़िले शामिल हैं। भारत क्षेत्र के मिथिला का नक्सा इस प्रकार है :

उत्तर बिहार, भारत क्षेत्र का मिथिला

नेपाल के मिथिला में नेपाल के ग्यारह ज़िले - सप्तरी, सुनसरी, मोरङ, परसा, बारा, रौतहट, सरलाही, महोत्तरी, धनुषा, सिरहा और झापा जिलों का क्षेत्र है।

नेपाल का मिथिला क्षेत्र

मैथिली भाषा व लिपि :

मैथिली भाषा का मूल लिपि मिथिलाक्षर है जिसे तिरहुता लिपि के नाम से भी जाना जाता है। मुख्य रूप से वर्तमान में मैथिली देवनागरी लिपि में ही लिखी जाती है। मिथिलाक्षर या तिरहुता लिपि में भी कालांतर में कुछ परिवर्तन देखने को मिलता है।

भाषिक क्षेत्र - मिथिला क्षेत्र, बिहार, भारत व नेपाल। मिथिला का पौराणिक नाम "तिरहुत" भी है।

भाषा - मैथिली (अंगिका व बज्जिका सहित)

उपभाषा/बोली - मैथिली के प्रमुख पाँच उपभाषा या बोली हैं -

अ. केन्द्रीय बोली

आ. पूर्वी बोली

इ. दक्षिणी बोली

ई. पश्चमी बोली

उ. उत्तर-पूर्वी बोली

## मिथिला एक परिचय -

वर्तमान उत्तर बिहार और तराई क्षेत्र नेपाल  के भू-भाग का नाम "मिथिला" था। मिथिला प्राचीन भारत में एक राज्य था। मिथिला का इतिहास विदेह (अनुमानत: 3000 ई. पू.) से माना जाता है। विदेह के बाद मिथिला में नाग, नंद, मौर्य, शुन्ग, काण्व, आंध्र, कुशान, नाग, गुप्त, वर्धन, पाल गुर्जर, चंदेल, आदि के बाद कर्णाट वंश और फिर ओईनवार वंश का (अनु. 1353 स' 1526 ई.) शासन हुआ।

कई सदियों से चली आ रही लोकश्रुति परंपरा के कारण यह क्षेत्र बौद्धिकता के लिये भारत और भारत के बाहर विशेष रूप से जाना जाता रहा है। इस क्षेत्र कि प्रमुख भाषा मैथिली है। धार्मिक ग्रंथों में सबसे पहले इसका उल्लेख रामायण में मिलता है। मिथिला का उल्लेख महाभारत, रामायण, पुराण तथा जैन एवं बौद्ध ग्रन्थों में देखने को मिलता है।

**पौराणिक प्रमाण :**

*जाता सा यत्र सीता सरिदमल जला वाग्वती यत्रपुण्या।*

*यत्रास्ते सन्निधाने सुर्नगर नदी भैरवो यत्र लिङ्गम् ॥*

*मीमांसा-न्याय वेदाध्ययन पटुतरैः पण्डितेमर्ण्डिता या।*

*भूदेवो यत्र भूपो यजन-वसुमती सास्ति मे तीरभुक्तिः ॥*

रामायण में उल्लिखित है कि माता सीता की उत्पत्ति भूमि तिरहुत अर्थात् वैदिक मान्यता के अनुसार तीन वेद के (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद) ज्ञाता अथवा त्रिवेद से आहुति देनेवाला जिस भू-भाग पर निवास करते हैं वो निर्मल जल से परिपूर्ण और मीमांसा-न्याय वेदादि अध्ययन में पटु से पटुतर -विद्वत मनीषि सुशोभित जिस भू-भाग के शासक यज्ञकर्त्ता पण्डित हैं वह तिरहुत धन्य है।

*देशेषु मिथिला श्रेष्ठा गङ्गादि भूषिता भुविः।*

*द्विजेषु मैथिलः श्रेष्ठः मैथिलेषु च श्रोत्रिय: ॥*

गङ्गा-कोशी - गण्डकी-कमला-त्रियुगा-अमृता-वागमती-लक्ष्मणा आदि नदी से भूषित मिथिला के श्रेष्ठता वेद-पुराण-उपनिषद-दर्शन और ऋषि प्रमाण से सर्वथा प्रमाणित है। इस प्रान्त की सभ्यता-संस्कृतिक प्राचीनता स्वतः सिद्ध होती है। षड्दर्शन (न्याय-वैशेषिक-सांख्य-योग-मीमांसा-वेदान्त) मे से चार दर्शन के उद्भव स्थली मिथिला अनेक मैथिल महापुरुष के सुदीर्घ मणिरत्न की परम्परा से पूर्ण है। अपने मानसमंथन से मैथिल मनीषीगण जो

कुछ भी प्राप्त किए हैं वह समग्र विश्व के लिए अनुकरणीय है। मिथिला के वैशिष्ट्य एवं प्रशस्ति मूलक श्लोक में तीरभुक्ति (तिरहुत) महात्म्य वर्णित है। देवी भागवत में मिथिला की प्रजा के सदाचार और समृद्धि का मनोरम वर्णन किया गया है।

मिथिला में कर्णाट वंशीय (क्षत्रिय वंश) के अन्तिम राजा पञ्जी प्रवर्तक महाराज हरिसिंह देव के अनुसार मिथिला के क्षेत्र में विराजमान 'सरिसब' में ग्यारहवीं शताब्दि के पूर्वार्द्ध भाग में सामवेद कौथुम शाखा के शाण्डिल गोत्रीय महामहोपाध्याय रत्नापाणि के निवास का वर्णन मिलता है। वह हरिसिंह देव के समय तेरहवीं शताब्दी के माने जाते हैं। विष्णु पुराण और हरिवंश पुराण मे स्यमन्तक मणि उपाख्यान मे श्री बलभद्र के मिथिला प्रवास का वर्णन मिलता है।

*श्लाद्यास्पदं यद्यपि नेतरेषा मियंकृतिः स्वादुहायोऽया।*

*तथापि शिष्यै गुरुगौरवेन परः सहस्त्रैः समुपासनीया ॥*

श्री शंकर मिश्रक विरचित श्लोक "रसार्णव" नाम से प्रसिद्ध है। पिता पुत्र सतत् "काव्य शास्त्र विनोदेन कालोगच्छति धीमताम्" को सार्थक करते हुए शास्त्र चर्चा में मग्न रहते थे। श्री शंकर द्वारा

रचित "वैशेषिक सूत्रोपस्कार" में सूत्रकार कणाद आ अपने पिता भवनाथ (अयाची) मिश्र के स्मरण करते हुए लिखते हैं :

*याभ्यां वैशेषिके तन्त्रे सम्यक् व्युत्पादितोऽस्यहम्।*

*कणाद भवनाथा भ्यां ताभ्यां मम नमः सदा ॥*

श्री शंकर मिश्र के विद्वत्ता का प्रतीक उनके पाठशाला का नाम 'चौपाड़ि' था। इस चौपाड़ि पर उद्भट से उद्भट विद्वान आते थे और सतत् शास्त्रार्थ चलता रहता था। दूर-दूर से अध्ययनार्थी इस पाठशाला में अध्ययनार्थ आते रहते थे। अयाची शंकर की महिमा समग्र विश्व में प्रसरित है। अभी भी इस परिवार के वंशज केवल भारत वर्ष में ही नहीं अपितु समग्र विश्व में प्रसारित होकर अध्यवसायी जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

**<u>सलहेस उत्सव, बिहार परम्परा से स्पष्ट रूप से सम्बंधित प्रतिनिधि ग्राम, समुदाय, समूह, परिवार एवं व्यक्ति का नाम एवं संपर्क</u> :**

सलहेस उत्सव, बिहार के मिथिला क्षेत्र का प्रमुख सामाजिक उत्सव है। यह आयोजन हिन्दू दलित जाति दुसाध द्वारा किया जाता है तथा

सलहेस इस जाति के कुल देवता भी हैं। समाज के अन्य जाति भी इसमें भरपूर योगदान देकर सहभागी होते हैं। सलहेस उत्सव के आयोजन में कुछ जाति ऐसे हैं जिनके जातिगत पारंपरिक कौशल के बिना इसका आयोजन संभव नहीं है, जैसे- कुम्हार (कुंभकार), चमार (चर्मकार), माली आदि। जिसमें पारंपरिक शिल्पकार जाति कुम्हार (कुंभकार) का प्रमुख योगदान है। इस जाति के लोगों के नाम का अंतिम अक्षर मुख्यत: 'पण्डित' होता है। यही लोग राजा सलहेस सहित सभी मूर्ति बनाते हैं और आयोजन के दिन जिसकी स्थापना गाहबर में भगत कर पूजा कराते हैं। कई स्थानों पर गहबर के स्थान पर पक्का मंदिर और स्थायी मूर्ती स्थापित हो चुका है। इसलिए इस डाटा संग्रह करते समय कुछ कुम्हार (कुंभकार) जाति प्रतिनिधियों को भी सम्मलित किया गया है।

परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2015-16 में भारतीय मिथिला क्षेत्र के सात जिलों- मुजफ्फरपुर, वैशाली, खगड़िया, पूर्णिया, सहरसा, सुपौल और मधेपुरा में डाटा संकलन का कार्य किया गया है। इसके अलावे भारत के मिथिला क्षेत्र के अन्य जिलों - मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर,

सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण (मोतीहारी) व पूर्णियाँ सलहेस उत्सव से संबन्धित डाटा संकलन का कार्य पूर्व में किया जा चुका है। सम्पूर्ण मिथिला क्षेत्र के डाटा का संकलन एक साथ उपलब्ध होने के कारण अतरिक्त जिलों का डाटा भी इस अंतिम रिपोर्ट में शामिल किया जा रहा है। प्रस्तुत्त अंतिम रिपोर्ट में मिथिला (भारत) के कुल 13 जिलों का डाटा को शामिल किया जा रहा है।

सलहेस उत्सव के इन सभी डाटा संकलन परियोजना में संबन्धित गाँवों व समुदाय के कुछ प्रतिनिधियो के नाम दिए जा रहे हैं, जो समाज के विभिन्न स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हैं साथ ही इस प्रकार के सामाजिक उत्सव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यही वो लोग हैं जो सलहेस उत्सव के आयोजन हेतु समाज से चन्दा ईकट्ठा करने, भगत, वादन या कीर्तन मंडली के सदस्य, आयोजक संरक्षक आदि कि भूमिका निभाते हैं। इस आयोजन में दुसाध जाति के लोग ही सलहेस पूजा के दिन अनुष्ठान पूजा से संबन्धित सभी आंतरिक कार्यों का सम्पादन करते हैं। सभी डाटा को ज़िलावार - प्रखंडवार - पंचायतवार दिया जा रहा है। ज़िलावार - प्रखंडवार स्तर पर सलहेस गहबरों की

संख्या को दर्शाया गया है। फिर उसके बाद पंचायतवार पनधारियों की सूची दी गई है, जिसमें उपलब्ध संपर्क भी दिए गए हैं। यह वही इस सूची में सलहेस उत्सव आयोजन में मुख्य आयोजक की सूची शामिल की गई है। यह सूची इस प्रकार है : -

**गहबरों की संख्या :**

| **ज़िला (कुल गहबरों की संख्या)** | **प्रखण्ड** | **गहबरों की संख्या** |
|---|---|---|
| मधुबनी (855) | खुटौना | 42 |
| | फुलपरास | 30 |
| | लौकही | 42 |
| | घोंघरडीहा | 25 |
| | रहिका | 53 |
| | पंडौल | 51 |
| | राजनगर | 68 |
| | खजौली | 31 |

| | | |
|---|---|---|
| | कलुआही | 27 |
| | बाबुबरही | 37 |
| | माधवापुर | 20 |
| | हरलाखी | 37 |
| | बिस्फी | 54 |
| | बेनीपट्टी | 65 |
| | लखनौर | 36 |
| | मधेपुर | 59 |
| | झंझारपुर | 46 |
| | अंधराठाढ़ी | 42 |
| | बासोपट्टी | 33 |
| | लदानियाँ | 30 |
| | जयनगर | 27 |
| दरभंगा - (671) | जाले | 49 |
| | तारडीह | 23 |
| | कियौटी रनवे | 41 |

| | | |
|---|---|---|
| | हनुमान नगर | 33 |
| | हायाघाट | 35 |
| | मनीगाछी | 32 |
| | सिंघवाड़ा | 45 |
| | दरभंगा | 56 |
| | बहेड़ी | 51 |
| | बहादुर पुर | 70 |
| | बेनीपुर | 37 |
| | अलीनगर | 21 |
| | किरतपुर | 24 |
| | बिरौल | 46 |
| | कुशेश्वर स्थान पूर्वी | 23 |
| | गौरा बौराम | 28 |
| | घनश्याम पुर | 20 |
| | कुशेश्वर स्थान | 36 |
| समस्तीपुर (752) | कल्याणपुर | 67 |

| | | |
|---|---|---|
| | वारीशनगर | 41 |
| | खानपुर | 41 |
| | समस्तीपुर | 67 |
| | पूसा | 28 |
| | ताजपुर | 32 |
| | मोरवा | 38 |
| | सरायरंजन | 41 |
| | पटोरी | 29 |
| | मोहनपुर | 15 |
| | मौहद्दीनगर | 33 |
| | विद्यापति नगर | 23 |
| | दलसिंगसराय | 31 |
| | उजियारपुर | 49 |
| | विभुतिपुर | 46 |
| | रोसरा | 29 |
| | शिवाजीनगर | 31 |

| | | |
|---|---|---|
| | सींगिया | 39 |
| | हसनपुर | 43 |
| | बिठान | 29 |
| सीतामढ़ी - (427) | बेलसंड | 17 |
| | परसौनी | 11 |
| | रानिसईदपुर | 52 |
| | डुमरा | 44 |
| | रीगा | 27 |
| | बैरागनिया | 09 |
| | मजोरगंज | 19 |
| | सुप्पी | 19 |
| | बथनाहा | 43 |
| | सोनबरसा | 37 |
| | परिहार | 36 |
| | सुरसंड | 26 |
| | बाजपट्टी | 24 |

| | | |
|---|---|---|
| | पुपरी | 20 |
| | चौरट | 10 |
| | नानपुर | 20 |
| | बोखरा | 13 |
| पूर्वी चंपारण<br>(मोतीहारी) (445 ) | मोतीहारी | 22 |
| | बंजारिया | 13 |
| | तुर्कौलिया | 15 |
| | पिपराकोठी | 05 |
| | सुगौली | 14 |
| | कोटवा | 19 |
| | रक्सौल | 15 |
| | रामगढ़वा | 13 |
| | छौरादनों | 13 |
| | अदापुर | 23 |
| | अरेराज | 14 |

| | | |
|---|---|---|
| | पहारपुर | 19 |
| | हरसीदही | 17 |
| | संग्रामपुर | 13 |
| | चकिया | 26 |
| | मेहसी | 19 |
| | कल्याणपुर | 30 |
| | कसेरिया | 13 |
| | पकड़ीदयाल | 13 |
| | मधुबन | 16 |
| | तेतरिया | 11 |
| | फेनहारा | 06 |
| | पतही | 21 |
| | ढाका | 22 |
| | चिरइया | 25 |
| | घोरासन | 16 |
| | बनकटबा | 12 |

| | | |
|---|---|---|
| खगड़िया (188) | गोगरी | 27 |
| | परबट्टा | 25 |
| | खगड़िया | 41 |
| | बेलदौर | 23 |
| | चौथम | 21 |
| | मानसी | 10 |
| | अलौली | 41 |
| | | |
| मधेपुरा (291) | मधेपुरा | 34 |
| | घैलाध | 14 |
| | शीशवार | 23 |
| | घमरिया | 10 |
| | शंकरपुर | 14 |
| | मुरलीगंज | 31 |
| | कुमारखंड | 31 |

| | | |
|---|---|---|
| | बिहारीगंज | 21 |
| | उदा किशुनगंज | 30 |
| | गोलपारा | 27 |
| | आलमनगर | 26 |
| | चौसा | 16 |
| | पुरानी | 14 |
| | | |
| मुजफ्फरपुर (649) | साहेबगंज | 35 |
| | मोतीपुर | 64 |
| | पारू | 69 |
| | सरैया | 63 |
| | कुरहानी | 115 |
| | कांती | 41 |
| | मरवान | 22 |
| | मीनापुर | 48 |
| | मुशहरी | 50 |

| | | |
|---|---|---|
| | बोचाहन | 46 |
| | अरई | 41 |
| | कटरा | 27 |
| | गायघाट | 37 |
| | मुरौली | 23 |
| | सकरा | 58 |
| | बांद्रा | 25 |
| | | |
| पूर्णियाँ (317) | आमौर | 06 |
| | बैसा | 17 |
| | बसई | 14 |
| | बनमनखी | 41 |
| | बरहारा | 27 |
| | भवानीपुर | 18 |
| | दगरौआ | 25 |
| | धमदाहा | 47 |

| | | |
|---|---|---|
| | जल्लालगढ़ | 21 |
| | के नगर | 29 |
| | कसबा | 12 |
| | पूर्णियाँ | 24 |
| | रुपौली | 23 |
| | श्रीनगर | 13 |
| | | |
| सहरसा (258) | कहरा | 12 |
| | सत्तार कटिया | 16 |
| | सौर बाज़ार | 25 |
| | पातर घाट | 15 |
| | मानसी | 38 |
| | सोनबरसा | 42 |
| | नौहट्टा | 29 |
| | सलखुआ | 24 |
| | बनमा इटहरी | 14 |

| | | |
|---|---|---|
| | सिमरी बख्तियारपुर | 43 |
| | | |
| सुपौल (333) | सुपौल | 49 |
| | किशनपुर | 25 |
| | सरायगढ़ भपटियाही | 24 |
| | पिपरी | 31 |
| | बसंतपुर अंचल | 33 |
| | राघोपुर | 34 |
| | प्रतापगंज | 14 |
| | त्रिवेनीगंज | 44 |
| | छातापुर | 41 |
| | निर्मली | 16 |
| | मरौना | 22 |
| | | |
| वैशाली (739) | हाजीपुर | 67 |
| | राघोपुर | 41 |

| | | |
|---|---|---|
| | बिंदापुर | 55 |
| | लालगंज | 51 |
| | वैशाली | 42 |
| | भगवानपुर | 49 |
| | पटेढ़ी | 27 |
| | महनार | 25 |
| | सधई बुजुर्ग | 25 |
| | महुआ | 69 |
| | चहराकला | 30 |
| | जनदाहा | 66 |
| | गरौल | 43 |
| | पतेपुर | 88 |
| | राजपकर | 37 |
| | देसरी | 24 |

**पंचायवार पनधारियों की सूची :**

1. **ज़िला - मधेपुरा**

| क्रम सं | पनधारियों (Stakeholder) का नाम | पता / गाँव | प्रखण्ड | ज़िला | फोन नम्बर |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | सुधीर पासवान | रामपुर | मुरलीगंज | मधेपुरा | 8407055361 |
| 2 | धर्मेंद्र पासवान | रामपुर | मुरलीगंज | मधेपुरा | 9431668999 |
| 3 | उपींद्र पासवान | गोपालपुर | उड़ाकिशुनगंज | मधेपुरा | 7739223395 |
| 4 | घनश्याम पासवान | बिरिरानापल | उड़ाकिशुनगंज | मधेपुरा | |
| 5 | महेश्वर पासवान | पीर नगर | ग्वालपारा | मधेपुरा | 8294430810 |
| 6 | लीलाधार पासवान | पीर नगर | ग्वालपारा | मधेपुरा | |
| 7 | पूजेगारी पासवान | आलम नगर दक्षिण | आलमनगर | मधेपुरा | 9162509711 |
| 8 | डोमी पासवान | बरदाहा | घैलाढ | मधेपुरा | |
| 9 | विजय पासवान | झिटिकिया | घैलाढ | मधेपुरा | 8405892505 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 10 | बानी पासवान | शेखपुरा | बिहारी गंज | मधेपुरा | 7631725252 |
| 11 | अशोक पासवान | शेखपुरा | बिहारी गंज | मधेपुरा | 9162736434 |
| 12 | मालो पासवान | भान तेकठी | घैलाढ | मधेपुरा | 8069752130 |
| 13 | दीना पासवान | टेमा भेला | ग्वालपारा | मधेपुरा | 9934575340 |
| 14 | मिथिलेश पासवान | बभनागामा | बिहारी गंज | मधेपुरा | 9771652472 |
| 15 | विकास पासवान | लखीमपुर | बिहारी गंज | मधेपुरा | 8298381398 |
| 16 | सुधीर पासवान | रामपुर | मुरलीगंज | मधेपुरा | 8407055361 |
| 17 | धर्मेंद्र पासवान | रामपुर | मुरलीगंज | मधेपुरा | 9431668999 |
| 18 | घनश्याम पासवान | बिरिरणपाल | उड़ाकिशुनगंज | मधेपुरा | 8051868083 |
| 19 | श्रवण कुमार पासवान | चौसा पश्चिम | चौसा | मधेपुरा | 9631270561 |
| 20 | जयकृष्ण पासवान | घैलाढ | घैलाढ | मधेपुरा | 9570320368 |
| 21 | रवीद्र कुमार | भइसेपुर | कुमारखंड | मधेपुरा | 9570363647 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | पासवान | | | | |
| 22 | सदानंद पासवान | लक्ष्मीपुर (चाँदी स्थान) | कुमारखंड | मधेपुरा | 9661905987 |
| 23 | चंदेश्वर पंडित | गौरीपुर | सिंहेश्वर | मधेपुरा | 9973370684 |
| 24 | संजय पासवान | सजादपुर | उड़ाकिशुनगंज | मधेपुरा | |
| 25 | संजय पासवान | बेसाढ़ | कुमारखंड | मधेपुरा | |
| 26 | कपिलदेव पासवान | रजीनी | मुरलीगंज | मधेपुरा | |
| 27 | बिरेन्द्र कुमार पासवान | भागपुर | आलम नगर | मधेपुरा | |

## 2. ज़िला - सहरसा

| | **पनधारियों (Stakeholder) का नाम** | **पता / गाँव** | **प्रखण्ड** | **ज़िला सहरसा** | **फोन नम्बर** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | रामा प्रसाद पासवान | घोंघेपुर | मानसी | सहरसा | |
| 2 | सिकंदर पासवान | झारा | मानसी | सहरसा | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 3 | ललन पासवान | पस्तवार | मानसी | सहरसा | |
| 4 | राजकिशोर पासवान | पस्तवार | मानसी | सहरसा | |
| 5 | श्रीकांत पासवान | भगवा | मानसी | सहरसा | |
| 6 | सहदेव पासवान | मनोवर | मानसी | सहरसा | |
| 7 | राम पासवान | मनोवर | मानसी | सहरसा | 8294711639 |
| 8 | विजेंद्र पासवान | मानसी उत्तर | मानसी | सहरसा | 9661704425 |
| 9 | परमेश्वर पासवान | राजनपुर | मानसी | सहरसा | |
| 10 | पप्पू पासवान | बिराटपुर | सोनबरसा राज | सहरसा | |
| 11 | मानतोष पासवान | खजूराहा | सोनबरसा राज | सहरसा | |
| 12 | सिकंदरा पासवान | बरागांव | सोनबरसा राज | सहरसा | |
| 13 | जगदीश पासवान | बरागांव | सोनबरसा राज | सहरसा | |
| 14 | राजो पासवान | बैठ | सोनबरसा | सहरसा | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | राज | | |
| 15 | राजन पासवान | मंगवार | सोनबरसा राज | सहरसा | |
| 16 | पूरन पासवान | मंगवार | सोनबरसा राज | सहरसा | |
| 17 | सुशील पासवान | सुगमा | बनमा इथारी | सहरसा | 9709320441 |
| 18 | प्रदीप पासवान | सुलिन्दाबाद | कहरा | सहरसा | 9430500500 |
| 19 | दर्शन पासवान | महिसाहरो | महिषी | सहरसा | 7763010348 |
| 20 | गोपाल पंडित | हुलासडीह | महिषी | सहरसा | 9939730605 |
| 21 | मनोज पासवान | मुरादपुर | नवहत्था | सहरसा | 9934799481 |
| 22 | कृष्णदेव पंडित | गोलमा | पातर घाट | सहरसा | 9709195112 |
| 23 | रामस्वरूप पासवान | कचरा | सौर बाज़ार | सहरसा | 9472338295 |
| 24 | परमांद पासवान | नौला | नौहत्था | सहरसा | |
| 25 | परशुराम पासवान | कांठो | सिमरी बख्तियारपुर | सहरसा | |
| 26 | रामदेव पासवान | देहद | सोनबर्षा | सहरसा | |

## 3. ज़िला - सुपौल :

| | **पनधारियों (Stakeholder) का नाम** | **पता / गाँव** | **प्रखण्ड** | ज़िला | **फोन नम्बर** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | तेनी पासवान | दगमारा | निर्मली | सुपौल | 8651454638 |
| 2 | छीदी पासवान | दगमारा | निर्मली | सुपौल | 9546712515 |
| 3 | राम बालक पासवान | लौध | | सुपौल | 8877317051 |

## 4. ज़िला - पूर्णियाँ :

| | **पनधारियों (Stakeholder) का नाम** | **पता / गाँव** | **प्रखण्ड** | **ज़िला** | **फोन नम्बर** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अरबिन्द पासवान | भटसारा | बरहारा कोठी | पूर्णियाँ | 9472841013 |
| 2 | विनोद पासवान | रुस्तमपुर | बरहारा कोठी | पूर्णियाँ | 7549346484 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 3 | संजाया पासवान | रामनगर फरसाही | बनमनखी | पूर्णियाँ | 8809626964 |
| 4 | बिंदेसरी पावान | सरसी | धमदाहा | पूर्णियाँ | 900658719 |
| 5 | उदय पासवान | मलहरिया | कस्बा | पूर्णियाँ | 9430874557 |
| 6 | प्रदीप कुमारा दास | रामपुर | पूर्णियाँ पूर्वी | पूर्णियाँ | 9431639715 |
| 7 | रामचन्द्र प्रासाद पंडित | बसंतपुर | रुपौली | पूर्णियाँ | 95707070216 |
| 8 | भोला पासवान | धोबगीद्धा - रुपौली | रुपौली | पूर्णियाँ | 9934814346 |

## 5. ज़िला - वैशाली :

| | पनधारियों (Stakeholder) का नाम | पता / गाँव | प्रखण्ड | ज़िला | फोन नम्बर |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | तारकेश्वर पासवान | मुकुंदपुर भाठ | जनदाहा | वैशाली | 7250660864 |
| 2 | रंजन पासवान | मुकुंदपुर भाठ | जनदाहा | वैशाली | 9661003725 |
| 3 | रामदहीन पासवान | मुरतुजा पुर | जनदाहा | वैशाली | 9771029421 |
| 4 | राजेश पासवान | भथही | जनदाहा | वैशाली | 9661010227 |
| 5 | अशर्फी पासवान | खोपी | जनदाहा | वैशाली | 8002427672 |
| 6 | मनोज पासवान | जहागीरपुर सलखानी | महुआ | वैशाली | 7654107200 |
| 7 | महादेव पासवान | शाहपुर चाकुमार | महुआ | वैशाली | |
| 8 | रघुवीर पासवान | मानपुर | महुआ | वैशाली | 7250131888 |
| 9 | प्रमोद पासवान | पहारपुर | महुआ | वैशाली | 9576756090 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 10 | नरेश पासवान | फुलवारिया | महुआ | वैशाली | 9973914116 |
| 11 | उमेश पासवान | फुलवारिया | महुआ | वैशाली | 8092395915 |
| 12 | अशोक पासवान | मालपुर | महुआ | वैशाली | 9973034176 |
| 13 | विजय पासवान | मालपुर | महुआ | वैशाली | 9801464650 |
| 14 | अजय पासवान | करिहों | महुआ | वैशाली | 8084866275 |
| 15 | अनिल पासवान | गरजौल | महुआ | वैशाली | 9608635597 |
| 16 | विनोद पासवान | शाहदुल्लाहपुर | लालगंज | वैशाली | 7631927318 |

## 6. ज़िला - मुजफ्फरपुर:

| | **पनधारियों (Stakeholder) का नाम** | **पता / गाँव** | **प्रखण्ड** | **ज़िला** | **फोन नम्बर** |
|---|---|---|---|---|---|
| | सुधीर पासवान | रामपुर | मुरलीगंज | मुजफ्फरपुर | 8407055361 |
| 1 | पलटन पासवान | मनदै खुर्द, | सकरा | मुजफ्फरपुर | 7250277451 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | मचियाही | | | |
| 2 | दीपन पासवान | दिहाली, सकरा | सकरा | मुजफ्फरपुर | 9801370841 |
| 3 | विद्या पासवान | औरइ | औरइ | मुजफ्फरपुर | |
| 4 | उमेश पासवान | मौसाहरी | मौसाहरी | मुजफ्फरपुर | |
| 5 | हरिश्चंद्र पासवान | औरइ | औरइ | मुजफ्फरपुर | |
| 6 | कालु पासवान | औरइ | औरइ | मुजफ्फरपुर | |
| 7 | कौशल पासवान | रामपुर, बखरी, बसंतपुर | सकरा | मुजफ्फरपुर | 9693772598 |
| 8 | मोहन पासवान | मकसूदपुर, मीनापुर | मीनापुर | मुजफ्फरपुर | 7654640470 |
| 9 | लालबहादुर पासवान | औरइ | औरइ | मुजफ्फरपुर | |
| 10 | रामानन्दन पासवान | औरइ | औरइ | मुजफ्फरपुर | |
| 11 | कुँवर पासवान | कटरा | कटरा | मुजफ्फरपुर | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 12 | चतुरी पासवान | कटरा | कटरा | मुजफ्फरपुर | |
| 13 | लखनदेव पासवान | कटरा | कटरा | मुजफ्फरपुर | |
| 14 | दिलीप पासवान | कटरा | कटरा | मुजफ्फरपुर | |
| 15 | विजय पासवान | बांगरा फिरोज | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | 9162202436 |
| 16 | बबन पासवान | परसौनी नाथ | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | 9931938234 |
| 17 | रघु पासवान | गोसाईं पुर | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | 9162010567 |
| 18 | लखिन्द्र् पासवान | महमदपुर | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | |
| 19 | प्रदीप पासवान | पिरखी, | मुरौल | मुजफ्फरपुर | 9546361307 |
| 20 | नंदकिशोर पासवान | पिरखी | मरौल | मुजफ्फरपुर | 9934977515 |
| 21 | जंगली पासवान | बंगारा | मैनपुर | मुजफ्फरपुर | 9931247777 |
| 22 | जयकिशन पासवान | पखानाहा | मैनपुर | मुजफ्फरपुर | 7763962238 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 23 | नागेश्वर पासवान | मौरौल | मैनपुर | मुजफ्फरपुर | 9570705418 |
| 24 | राजनारायन पासवान | कटरा | कटरा | मुजफ्फरपुर | |
| 25 | विनदेशवर पासवान | कटरा | कटरा | मुजफ्फरपुर | |
| 26 | सचिदानन्द पासवान | तुरकी हरिजन टोला, खरारू, | मैनपुर | मुजफ्फरपुर | 8651906133 |
| 27 | कृष्णदेव पासवान | माणिकपुर, ईटाहा | मुरौल | मुजफ्फरपुर | 9162445541 |
| 28 | मोतीलाल पासवान | साधनपुरा, रामपुर भेरियाही | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | 9771727114 |
| 29 | जगन्नाथ पासवान | परोहा, कटैया | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | |
| 30 | छविन्द्र पासवान | जहांगीर पुर, सींगैला | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | |
| 31 | मनोज पासवान | मझौला, चंदनपट्टी | सकरा | मुजफ्फरपुर | 9199017588 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 32 | सत्यनारायन पासवान | महमदपुर, बनबारी, गनियारी | सकरा | मुजफ्फरपुर | 7352527604 |
| 33 | बजरंग पासवान | नवलपुर, मिसरौला,पोस्ट-सिहो | सकरा | मुजफ्फरपुर | 9572209816 |
| 34 | शिबू पासवान | पननपुर, करियात | कांटी | मुजफ्फरपुर | 9534602385 |
| 35 | मुनियाँ पासवान | नकाटा | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | |
| 36 | सुरेन्द्र पासवान | बराइयापुर रुदल | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | |
| 37 | छोटे दास | राजखण्ड | औरई | मुजफ्फरपुर | 9934453259 |
| 38 | श्री सुरेश पासवान | बाजितपुर मझौली | बोछों | मुजफ्फरपुर | 9631820151 |
| 39 | दुर्गा पासवान | फुलकानहनी | कांटी | मुजफ्फरपुर | 8294697289 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 40 | अरुण पासवान | बथना | कुरुधनी | मुजफ्फरपुर | 9709586867 |
| 41 | शिवबालक पासवान | कल्यानपुर | मैनपुर | मुजफ्फरपुर | 9939282519 |
| 42 | उपेन्द्र पासवान | काथेया | मोतिपर | मुजफ्फरपुर | 9430974395 |
| 43 | श्री देवेन्द्र पासवान | विद्याछप | मरौल | मुजफ्फरपुर | 9939590333 |
| 44 | सुरेश पासवान | भिखनिपुरा | मुशहरी | मुजफ्फरपुर | 7890903073 |
| 45 | हीरा पासवान | राजवाड़ा | साहेबगंज | मुजफ्फरपुर | 9973258739 |
| 46 | जयकरन पासवान | हसनपुर बांघी | संकरा | मुजफ्फरपुर | 9931414668 |
| 47 | धीरेंद्र पासवान | सिबरी गोपीनाथपुर | सरइया | मुजफ्फरपुर | 9973308618 |
| 48 | सोबिथ पासवान | जलालपुर | सरइया | मुजफ्फरपुर | 9199464154 |
| 49 | शंभू पासवान | रेपुरामपुर बल्ली | | मुजफ्फरपुर | 9430864943 |
| 50 | बेचन पासवान | मोहमदपुर सूरा | गायघाट | मुजफ्फरपुर | 9931993235 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 51 | शिवनंदन पासवान | सकारा बाजिद | सकरा | मुजफ्फरपुर | 8757383646 |
| 52 | रांप्रीत पासवान | बिशनपुर बखरी | मरौल | मुजफ्फरपुर | 9006007787 |
| 53 | शत्रुधन पासवान | बरइया पश्चीम | मोतीपुर | मुजफ्फरपुर | 9931806499 |
| 54 | रामसवार्थ पासवान | रेपुरा रामपुर बल्ली | | मुजफ्फरपुर | 7544939080 |
| 55 | लक्ष्मीनारायण पासवान | देवगन | बोचहाँ | मुजफ्फरपुर | 7739323028 |
| 56 | राजकुमार पासवान | बदगौन | बांद्रा | मुजफ्फरपुर | 9955433853 |
| 57 | पुदेव पासवान | फुलकाहा मनी | कांटी | मुजफ्फरपुर | 9973245780 |
| 58 | लालबाबू पासवान | बेराई उत्तर | कटरा | मुजफ्फरपुर | |

## 7. ज़िला - खगड़िया :

| | पनधारियों (Stakeholder) का नाम | पता / गाँव | प्रखण्ड | ज़िला | फोन नम्बर |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राम विलाश सदा | ढहमा खेरी खुठा | अलौली | खगड़िया | 9534535542 |
| 2 | शैलेन्द्र पासवान | गोरयामी | अलौली | खगड़िया | 9931212412 |
| 3 | ब्रहमदेव पासवान | बोबिल | बेदलपुर | खगड़िया | 8051532162 |
| 4 | जगदीश पंडित | कंजरी | बेदलपुर | खगड़िया | |
| 5 | जयजयराम पासवान | बड़ी मदारपुर | गोगारी | खगड़िया | 9955380410 |
| 6 | रबीन्द्र कुमार पासवान | सिमराहा | खगरिया | खगड़िया | 9334748605 |
| 7 | विनोद पासवान | महिनाथनगर | बेलाडपुर | खगड़िया | 8051694391 |
| 8 | रामविलास पासवान | इतमादी | | खगड़िया | 8002416936 |

**ज़िला - मधुबनी**

**पंचायतवार पनधारियों की सूची**

| Name of the Stakeholder | Village | Block | Tel. No. |
|---|---|---|---|
| Jeebach Paswan | Kharagbani,Pirhi | Babubarhi | |
| Ajit Kumar Paswan | Brampura | Phulaparas | 9931284867 |
| Lakshman Paswan | Paraul | Paraul | 7339404451 |
| Bahaku Paswan | Pathrahi | Ladania | 9546029125 |
| Ramesh Paswan | Mokrampur | Pandaul | 8651732209 |
| Santosh Paswan | Bhitthi | Pandaul | 9470634417 |
| Shiv Kumar Paswan | Sugauna | Rajanagar | 8884564842 |
| Vijendra Prasad | Chahuta | Chahuta | 9430640328 |
| Jitendra Paswan | Pokhrauni | Rahika | 8809634117 |
| Khanhaiya Paswan | Rahika | Rahika | 9507490296 |
| Ray Bharoshe Paswan | Nazirpur | | 9709975248 |
| Pawan Kumar Paswan | Jagatpur | Rahika | 7549329939 |
| Kailash Paswan | Jagatpur | Rahika | 9856232568 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Rajaram Paswan | Lakhsmipur | Khajauli | 8757167126 |
| Rajendra Paswan | Alpura, Nanaur | Andhratharhi | 9534807063 |
| Kali Paswan | Rakhwari | Andhratharhi | 9199619584 |
| Mina Devi | Bakua, | Madhepur | 9525788226 |
| Shivsarjan Paswan | Huainpur | | 9534825670 |
| Manoj Paswan | Kakroul North | Rahika | 7352770037 |
| Rambrichh Paswan | Rajnpura,Gangdwar, | Andhratharhi | 9801276943 |
| Shiv Kumar Paswan | Datta Tol, Gaurandhra, | Andhratharhi | 8527673413 |
| Shalendra Paswan | Izra | Andhratharhi | 9534297631 |
| Bagru Paswan | Deohar | Andhratharhi | 9925631475 |
| Unidev Paswan | Chatra | Andhratharhi | 7544932307 |
| Shivan Paswan | Laxmipur | Khajauli | 7706589756 |
| Vindeshwari Paswan | Laxmipur | Khajauli | 9526587456 |
| Ramlakhan Paswan | Laxmipur | Khajauli | 8956200256 |
| Umesh Paswan | Sisbabarhi | Phullparas | 8406851217 |
| Ram Khelan Paswan | Sanour | Phullparas | 9006688581 |
| Bechan Ram | Sanour | Phullparas | 9470657996 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Shayam Paswan | Maksuda | Phullparas | 9856002356 |
| Joytis Paswan | KhanpurPakri | Phullparas | 8002290381 |
| Ramsundar Paswan | | Andhratharhi | 9199466455 |
| Domi Paswan | Harari | Andhratharhi | 8578848945 |
| Bangali Paswan | | Andhratharhi | 9709526958 |
| Sakhichandr Paswan | Rudrpur | Andhratharhi | 8521002717 |
| Chaudhari Paswan | Ganguli | Benipatti | 9546027482 |
| Surya Dev Paswan | Sukki | Khajauli | 9973378286 |
| Munchun Paswan | Shivipatti | Rajnagar | 8298851741 |
| NathuniPasawan | Nahari | Laukaha | 9931434499 |
| Bhogendra Paswan | Belaha | | 9162329359 |
| Lakhan Paswan | Lalmaniya | | 8757162880 |
| Satechandra Paswan | Salha | Benipatti | 9801062241 |
| Naresh Paswan | Kataiya | Benipatti | 9470788373 |
| Rakesh Paswan | Ganguli | Benipatti | 8292407540 |
| Ram Udgar Paswan | SilanathBarhi | Jainagar | 9801708989 |
| Gajnath Paswan | Pathrahi | Ladania | 9939038630 |
| Vijay Paswan | Kachari | Ladania | 9771945204 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Arbind Paswan | Chaturbhuj Piprahi | Ladania | 9955070849 |
| Kapleswar Paswan | Raghubir Chak | Rajnagar | 9534728384 |
| Mannu Paswan | Sugauna North | Rajnagar | 8298727954 |
| Sitai Paswan | Bhawanipur, | Rajnagar | 9661068675 |
| Nirdhan Paswan | Arer Utari | Benipatti | 7654720308 |
| Chandeswar Paswan | Selara | Jainagar | 8522895475 |
| Jitan Paswan | Deodha | Jainagar | 9022510848 |
| Rambrikch Paswan | Inerva | Jainagar | 8507189792 |
| Bikram Paswan | Kasiyauna | Rajnagar | 9934949713 |
| Laxmi Paswan | Sugauna | Rajnagar | 9570960743 |
| Bechan Paswan | Dhnuki | Laukahi | 9546617247 |
| Bauelal Paswan | Parkauli | Benipatti | 9709591060 |
| Sitaram Paswan | Parkauli, | Benipatti | 8002629594 |
| SukhDev Paswan | Usrahi | Rajnagar | 8407846239 |
| Jibchh Paswan | Thruahi | Laukahi | 8292526402 |
| Ramjatan Paswan | HaripurdihaTol | Kaluahi | 9801781064 |
| Shikendra Paswan | Araghawa | Basopatti, | 8298640158 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Bikan Paswan | Basopatti | Basopatti | 8757138779 |
| Anuplal Paswan | Laukahi | Laukahi | 8873294906 |
| Balchand Paswan | Damu | Basopatti | 9546317470 |
| Kishori Paswan | Siriyapur | Basopatti | 7766892794 |
| Ram Briksh Paswan | Siriyapur | Basopatti | 9939559509 |
| RagendraPandit | Hirpatti | Laukahi | 8227898707 |
| Rajkumar Paswan | Phent | Basopatti | |
| Rajkumar Paswan | Phent | Basopatti | |
| Rajkumar Paswan | Phent | Basopatti | |
| Tanuk Paswan | Selibeli | Basopatti | |
| Ram Dular Paswan | Khauna | Basopatti | 8002180724 |
| JagdevPandit | Jhanjhpatti | Khutauna | |
| RamjasPasvan | Suggapatti | Phulparas | 9546274431 |
| UmeshPandit | ParsahiPurbi | Khutauna | |
| AmngiYadav | Ramnagar | Phulparas | |
| BindeswarPasvan | Ramnagar | Phulparas | 9195465539 |
| Govind Paswan | Satghara, | Babubarhi | 9199687527 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Kalar Paswan | Simra | Jhanjharpur | |
| Upendra Paswan | Siwa | Andhratharhi | |
| Ranju Devi | Gnauli | Andhratharhi | |
| Bhola Paswan | NararKothi | Kaluahi | 9939438003 |
| Naresh Paswan | NararKothi | Kaluahi | 9955606431 |
| Jagdish Paswan | Kariyaut | Laukahi | |
| Kailu Paswan | Kalikapur | Kaluahi | |
| Champa Paswan | Dayalpali | Kaluahi | 8809881858 |
| Ganesh Paswan | Dayalpali | Kaluahi | 9771377779 |
| Archana Devi | Belahi | Kaluahi | 9931746963 |
| Sadhusaran Paswan | Madhepur | Kaluahi | |
| Arjun Paswan | Dokhar | Kaluahi | |
| Bindeshwar Paswan | Bhalni | Kaluahi | 8809633442 |
| Sheevjee Paswan | Dostpur | Kaluahi | 7739281052 |
| Raghu Nath Paswan | Chichari Kanoongo | Rajnagar | 9534687220 |
| Bindeshwar Paswan | Sangram | Jhanjharpur | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| RampukarPasvan | Pipraun | Harlakhi | |
| Ramkumari Devi | Jhitaki | Harlakhi | |
| Bindeshwar Paswan | Jhitaki | Harlakhi | |
| Ramashish Paswan | Hisar | Harlakhi | |
| Rambharos Paswan | Hisar | Harlakhi | |
| Anup Paswan | Hisar | Harlakhi | |
| Kumar Paswan | Khirahar | Harlakhi | |
| Mina Devi | Khirahar | Harlakhi | |
| Vijay Paswan | Khirahar | Harlakhi | |
| Lakhan Thakur | Brahampur North | Ghoghardiha | |
| GhuranPandit | Deodha South | Jainagar | |
| DhanikLal Paswan | Deodha | Jainagar | |
| Sivnarayan Paswan | Inarawa | Jainagar | |
| Bahuran Paswan | Navtol | Pandaul | |
| BudheswarPasvan | Chikana | Ghoghardiha | |

ज़िला - दरभंगा

| Name of the Stakeholders | Address | Block | Mobile Number |
|---|---|---|---|
| Lala Kumar Paswan | Sajjanpura, | Benipur, | 91999865537 |
| Dr Ram Parvesh Paswan | Balha | Hanuman Nagar | 9835252659 |
| Suraj Paswan | Baruaara | Bahadurpur | 8294718832 |
| Dayanand Paswan | Madhuban | Bahadurpur | 9934201444 |
| Gutam Singh Paswan | Premjivar | Bahadurpur | 9471641885 |
| Dilip Paswan | Hathauri Dih | Bahedi | 8228894347 |
| Rekh Devi | Hanuman Nagar | Bahedi | 8294345661 |
| Lalo Paswan | Andhari | Darbhanga | 9430940974 |
| Ramchandra Paswan | Nainaghat | Darbhanga | 7352446045 |
| Anita Devi | Mohanpur | Darbhanga | 9434256544 |
| Ruban Paswan | Bhuskol | Gaudabauram | 8651735431 |
| Chhedi Paswan | Korya pashchim | Ghanshyampur | 9709460946 |
| Harishchandra | Baharapatan | Hanuman Nagar | 9279070193 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Paswan | | | |
| Lalita Devi | Thalwara | Hanuman Nagar | 9905156081 |
| Vijay Paswan | Sadoha | Hayaghat | 430502482 |
| Lalbabu Paswan | Maksudpur | Hayaghat | 8507462822 |
| Jaylal Paswan | Badhaul | Jale | 9801391830 |
| Raamaekabaal Paswan | Kamtaul | Jale | 9973143443 |
| Ganesh Paswan | Chakka Lahbar | Keoti | 9430827904 |
| Rajendra Paswan | Narkatiyaa | Kiratpur | 9801612100 |
| Devnarayan Paswan | Brahmapur | Kusheshwarsthan | 9771249275 |
| Ramchandra Paswan | Kanokhar | Manigachhi | 9939437131 |
| Sohan Paswan | Raghopur Dakshini | Manigachhi | 9939750384 |
| Devendra Paswan | Katasa | Singhvaada | 9661902111 |
| Puran Paswan | Bainka | Tardih | 8084890476 |
| Ram Dayal Paswan | Brahmpur | Manigachhi | 9006231457 |
| Dev Paswan | Raje | Manigachhi | 9973585102 |
| Buchhilal Paswan | Brahmpur Bhatpura | Manigachhi | 9546870550 |
| Suresh Paswan | Maubehat | Manigachhi | 9955215500 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dhiraj Paswan | Jatuka Paiktol | Manigachhi | 7549750393 |
| Pradip Paswan | Jatuka Paiktol | Manigachhi | 8002898408 |
| Ramchandra Paswan | Bahadurpur | Bahadurpur | 9836253696 |
| Nageshwar Paswan | Bahadurpur Dekuli | Bahadurpur | 9572621146 |
| Hare Ram Paswan | Devram Amaithi | Benipur | 8051697330 |
| Dilip Paswan | K.Ashthan North | KusheshарAsthan East | 9534464574 |
| Pradeep Paswan | K.Ashthan North | KusheshарAsthan East | 9006184680 |
| BauyeLal Paswan | K.Ashthan South | KusheshарAsthan East | 9973353951 |
| Bhikho Paswan | K.Ashthan South | KusheshарAsthan East | 8809249769 |
| Baidyanath Paswan | Kewatgama | KusheshарAsthan East | 8409763502 |
| Jiwach Paswan | Sugraiyain | KusheshарAsthan East | 8298712863 |
| Raju Kumar Paswan | Mahthaur | Tardih | 8051630242 |
| Birbal Paswan | Thengha | Tardih | 7549593891 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Udgar Paswan | Kathara | Tardih | 9931665302 |
| Ratilal Paswan | Lagma | Tardih | 9570939275 |
| Dinesh Pandit | Kumai Bhaudni | Gaurabauram | 8657335571 |
| Tetar Paswan | Kumai Bhaudni | Gaurabauram | 8051414901 |
| Mahindar Paswan | Rampura | Singhwara | 8235329259 |
| Ganesh Pandit | Kasraur Belwara | Gaurabauram | 9931191118 |
| PrithwiChandar Paswan | Kasraur Belwara | Gaurabauram | 8757258490 |
| Dhaneshwar Paswan | Kasraur Belwara | Gaurabauram | 7654059039 |
| Rajdev Paswan | Harpur | Singhwara | 9525569296 |
| Ramvilash Paswan | Harpur | Singhwara | 9570440888 |
| Dkaran Paswan | Arae Virdipur | Singhwara | 9835448081 |
| Eevnarayan Paswan | Arae Virdipur | Singhwara | 7563065532 |
| Jageshwar Paswan | Arae Virdipur | Singhwara | 9934683605 |
| Mohan Paswan | Tektar | Singhwara | 9534444181 |
| Ram Prakash Paswan | Aasi | Gaurabauram | 8298795267 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Sudhir Paswan | Singhwara North | Singhwara | 8409073252 |
| Shivsagar Paswan | Singhwara North | Singhwara | 7549987849 |
| Mahendra Paswan | Mansara | Gaurabauram | 9572414932 |
| Vijay Paswan | Adhloam | Alinagar | 9931397218 |
| Sanjit Paswan | Lahta | Alinagar | 8674947442 |
| Birendra Paswan | Dhamsain | Alinagar | 8002614494 |
| NandKishor Paswan | Malhipatti Uttar | Hayaghat | 9472805035 |
| Vijay Kumar Paswan | Malhipatti | Hayaghat | 9534892569 |
| Ram Naresh Paswan | Malhipatti Dakshin | Hayaghat | 9570266539 |
| Ram Binod Paswan | Malhipatti Dakshin | Hayaghat | 9570728985 |
| Dilip Paswan | Madhopur Vastwara | Singhwara | 9931638055 |
| Sanjay Kuamr Paswan | Anandpur Sahaura | Hayaghat | 9973414380 |
| Ganesh Paswan | Anandpur Sahaura | Hayaghat | 7631204981 |
| Ram Naresh Paswan | Majhauliya | Hayaghat | 7549750650 |
| Virendra Kumar | Majhauliya | Hayaghat | 9534793388 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Paswan | | | |
| Rajesh Paswan | Sadhwara | Singhwara | 9534633061 |
| Shambhu Paswan | Chandanpatti | Hayaghat | 8877991024 |
| Raju Paswan | Bharathi | Singhwara | 9939683022 |
| Ganesh Paswan | Chandanpatti | Hayaghat | 8294374477 |
| Ram Dayal Paswan | Chandanpatti | Hayaghat | 9801797034 |
| Shatrohan Paswan | Banauli | Singhwara | 9939348079 |
| Siyaram Paswan | Pator | Hayaghat | 8051872273 |
| Shyam Paswan | Harihath | Alinagar | 8051432202 |
| Binod Kumar Paswan | Singhauli | Hayaghat | 9006707548 |
| Domi Paswan | Motipur | Alinagar | 9982365201 |
| Ganga Pandit | Mirjapur | Hayaghat | 8877058832 |
| LachhoPandit | Mohiuddinpur Pakri | Alinagar | 9771141572 |
| Bultha Paswan | Sriniya Pashchmi | Hayaghat | 9955042342 |
| Ramesh Paswan | Pauram | Hayaghat | 8271773482 |
| Manorath Paswan | Rasulpur | Hayaghat | 9973339011 |
| Vipin Kumar Paswan | Katka | Singhwara | 8084244468 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Udit Paswan | Harsingpur | Alinagar | 8292935407 |
| Bhulla Paswan | Katasa | Singhwara | 9801180298 |
| Mahendra Paswan | Jaydevpatti | Ghanshyampur | 8877387963 |
| Raj Kumar Paswan | Rampur Dih | Hanuman Nagar | 8877574244 |
| Shankar Paswan | Rampur Dih | Hanuman Nagar | 8877574244 |
| Laddu Paswan | Rampur Dih | Hanuman Nagar | 8406897461 |
| Rajaram Paswan | Majhigama | Keoti | 8809698414 |
| Mantu Paswan | Thalwara Chhatauna | Hanuman Nagar | 8075653258 |
| Arun Kumar Paswan | Nanaura | Keoti | 8877646464 |
| Lalu Paswan | Panchobh | Hanuman Nagar | 8051888538 |
| Kishun Paswan | Panchobh | Hanuman Nagar | 8051884998 |
| Ashrfi Paswan | Korthu East | Ghanshyampur | 7546872408 |
| Arun Paswan | Narsara | Hanuman Nagar | 8651500221 |
| Chandeshwar Paswan | Godhaila | Hanuman Nagar | 8271696509 |
| Mohan Paswan | Narsara | Hanuman Nagar | 7631197003 |
| Lala Paswan | Narsara | Hanuman Nagar | 9939006364 |
| Moti Paswan | Brahampura Maswasi | Ghanshyampur | 7033741122 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Shrawan Paswan | Korthu | Ghanshyampur | 7631442417 |
| Chandeshwar Paswan | Godhaila | Hanuman Nagar | |
| Vishnudev Paswan | Neuri | Biraul | 9507901305 |
| Ram Jee Paswan | Sonpur Paghari | Biraul | 8809053372 |
| Vinod Paswan | Paithan Kabai | Manigachi | |
| TunniLal Paswan | Paithan Kabai | Manigachi | |
| Bihari Paswan | Raghopur East | Manigachi | |
| Lakshman Paswan | Raghopur South | Manigachi | |
| Shambhu Paswan | Nehra East, Manigachi | Manigachi | |
| Ganeshi Paswan | Keoti | Keoti | 8873206475 |
| Dinesh Paswan | Nayagaun West | Keoti | |
| Raghu Paswan | Nayagaun West | Keoti | |
| Vijay Paswan | Nayagaun West | Keoti | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Hira Paswan | Nayagaun East | Keoti | 8809077830 |
| Budhan Paswan | Raje | Manigachi | |
| Amit Kumar Paswan | Banshara | Keoti | 9572449316 |
| Ashok Paswan | Banshara | Keoti | 9631726690 |
| Shiyaram Paswan | Banshara | Keoti | 8294065577 |
| Kisun Paswan | Jhagarua | Kiratpur | |
| Suraj Paswan | Jhagarua | Kiratpur | |
| Naresh Paswan | Jhagarua Tarwara | Kiratpur | |
| NasibLal Paswan | Tatuar | Manigachi | |
| Upendra Paswan | Jhagarua Tarwara | Kiratpur | |
| Vibhasin Paswan | Waghant | Manigachi | |
| Raj Kumar Paswan | Waghant | Manigachi | |
| Pawanti Kumari | Ramouli | Benipur | |
| Jagdish Paswan | Bajitpur | Manigachi | |
| Ramlochan Paswan | Ganesh Banoul Balni | Benipur | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Hareram Paswan | Devram Amaithi | Benipur | 8051697330 |
| Upendra Paswan | K. Asthan | Kusheshwar Asthan | 8002896088 |
| Bhagwan Kumar Paswan | Batho Radhiyam | Benipur | |
| Doma Paswan | Kamtaul | Jale | 8092806683 |
| Lalan Paswan | Bhawanipur | Deo | 9507471628 |

ज़िला - पूर्वी चंपारण

पंचायवार पंधारियों की सूची

| Name of the Stakeholders | Village | Block | Mobile Number |
|---|---|---|---|
| Jitendra Paswan | Senuwariya | Raxaul | 8409037458 |
| Mahendra Paswan | Jasauli Pati | Kotwa | 8084300166 |
| Jitendar Paswan | Harnaraina | Chiraiya | 9507723695 |
| Parmod Paswan | Ghanshyam Pakari | Chakia (Pipra) | 8809293792 |
| Ramshwar Paswan | Inrwa | Adapur | 8804187679 |
| Manoj Paswan | Kalwari | Adapur | 9801403834 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Durander Paswan | Bhakurhaiya | Adapur | 9199376988 |
| Anandi Pandit | Dhobauliya | Tetariya | 9006584002 |
| Kishori Paswan | Naraha | Tetariya | 9978034936 |
| Basant Paswan | Bahuarawa | Raxaul | 9199888344 |
| Gautam Paswan | Bhelahi | Raxaul | 9771658184 |
| Kamlesh Paswan | Laukadiya | Raxaul | 7250884525 |
| SheshNath Paswan | Parsuna | Raxaul | 97000090390 |
| Jagu Paswan | Macharganwa | Kotwa | 8084027245 |
| Munilal Paswan | Gaira | Kotwa | 9939008222 |
| Ramashis Paswan | Chiutanha | Kotwa | 9546421494 |
| Rameswar Paswan | Jasaulipati | Kotwa | 9430697753 |
| Dhrulal Paswan | Bajhiya Kala | Kotwa | 9771072996 |
| Shiv Varan Paswan | ChaubyTola, Bhopatpur | Kotwa | 9973430751 |
| Munilal Paswan | Virchhapara | Piprakothi | 9709460231 |
| Harilal Paswan | DhekahaVisunpur | Piprakothi | 8873877144 |
| Kisori Paswan | Latihanwa | Adapur | 9931604926 |
| Kamlesh Paswan | Hathiyahi | Piprakothi | 8084715665 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Rawan Paswan | KoriyaTolaKurminiya | Adapur | 8292432590 |
| Lalmohan Paswan | Bangari | Chakia(Pipra) | 9939142500 |
| Abadhesh Paswan | BelaBauju | Patahi | 9801685749 |
| Tejnrayan Pandit | Siswa West | Banjariya | 9546920991 |
| Nagehahwar Paswan | Basmanpur | Motihari | 9507244813 |
| Pramod Paswan | Basmanpur | Motihari | 9199087427 |
| Bharat Paswan | Kathan | Mehsi | 9954732145 |
| Babulal Paswan | Khujriya | Areraj | 9006950175 |
| Anup Paswan | Pachrukha West | Banjariya | 9162837535 |
| Shambhu Paswan | Vinwaliya | Areraj | 8651449685 |
| Punydev Paswan | Narayan Tola | Ghorasahan | 9934262178 |
| Suresh Paswan | Sareya | Areraj | 8292135836 |
| Birendar Paswan | Bhimalpur | Mehsi | 8002136588 |
| Ramprawesh Paswan | Saraiya | Tetariya | 9572536961 |
| Bipin Paswan | Bhimalpur | Mehsi | 8045712557 |
| Binay Paswan | Bhimalpur | Mehsi | 9162647699 |
| Bhuayali Paswan | Rupni | Madhuban | 9006804903 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dharkhan Paswan | Godhwa | Motihari | 8271187927 |
| Kishundev Paswan | Mankarwa | Phenhara | 9973360034 |
| Sankar Paswan | Bhargawan | Sugauli | |
| Sukhadi Paswan | Badeyan | Sugauli | 9801006126 |
| Kader Paswan | Saraugadh | Chiraiya | 9661137505 |
| Rampravesh Paswan | Phenhara | Phenhara | 9973202294 |
| VakilPashawan | Sirsamal | Motihari | 8292631282 |
| Nandlal Paswan | Saphan | Sugauli | 9955147897 |
| Panalal Pandit | Semara | Piprakothi | 8406998098 |
| Sahdev Paswan | Mahmadpur | Mehsi | 8825145784 |
| Yaduveer Paswan | Basantpur | Ghorasahan | 9097996017 |
| Ramvilas Paswan | Kasawa | Ghorasahan | 9661591753 |
| Manjhi Paswan | Raghunathpur | Kalyanpur | 8002943359 |
| Kapil Paswan | Lala Tola, Laukhan | Ghorasahan | 9199586611 |
| Jitendra Paswan | Parsauni Wazid | Kalyanpur | 9631696525 |
| Mahesh Paswan | Kathariya, Parsauni | Kalyanpur | 8084388736 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Sudin Paswan | ParsauniWazid | Kalyanpur | 9006011041 |
| Pundew Paswan | Dilawarpur | Kalyanpur | 9006704553 |
| Santosh Paswan | Ganeshpur, Rajpur | Kalyanpur | 8084936299 |
| Lalu Paswan | Bajitpur | Madhuban | 9973084426 |
| Bhushan Paswan | Bahuaara | Kalyanpur | 9631208445 |
| Indal Paswan | Yadavpur | Harsidhi | 9934440137 |
| Hari Paswan | Rampur South | Chiraiya | 9939930956 |
| Sitaram Paswan | Bhurkurva | Mehsi | 9546217756 |
| Rupan Paswan | Dumariya | Sangrampur | 8521623989 |
| Punkal Paswan | Khartari West | Chiraiya | 9939342369 |
| Harendra Paswan | Khartari West | Chiraiya | 9006382083 |
| Ramsnehi Pandit | Ratanawa | Phenhara | 7488370807 |
| Dhanai Paswan | HarpurRai | Harsidhi | 9973987233 |
| Pran Paswan | Jagapakar | Harsidhi | 9661968881 |
| Shambu Sharan Paswan | Khothiya Hariram | Mehsi | 9097234413 |
| Jagdev Paswan | Khothiya Hariram | Mehsi | 8084517238 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ramgovind Paswan | Kahnpipara | Phenhara | 9472682002 |
| Lalan Paswan | Matiyariya | Harsidhi | 9135945589 |
| Umesh Paswan | Barajayram | Chiraiya | 9471898683 |
| Manoj Paswan | Sewraha | Harsidhi | 9955079821 |
| Rajendra Paswan | Gaibandhi | Phenhara | 9162837755 |
| Shobhakant Paswan | Raghopur | Chiraiya | 8651371480 |
| Harilal Paswan | North Bariyariya | Sangrampur | 8877277812 |
| Kailash Paswan | Parewa | Chiraiya | 8651069711 |
| Bharat Pashawan | Kataha | Motihari | 9801679828 |
| Achalal Pandit | Kataha | Motihari | 9507638119 |
| Matukiya Paswan | Sirauna | Chiraiya | 9199701594 |
| Surendar Paswan | Harnraina | Chiraiya | 8804385919 |
| Sanjay Prasad | Harpur Sidabad | Patori | |
| Nagaswar Ram | Sawagia | Madhuban | 8002430429 |
| Suresh Prasad | Sawagia | Madhuban | 7250462674 |
| Ragvir Paswan | Sawagia | Madhuban | 9122949507 |
| Vishwnath Paswan | Sangrampur | Sangrampur | 9955888395 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dinesh Paswan | Kasawa Kadamawa | Ghorasahan | 9162852572 |
| Mantu Paswan | Barwa | Sangrampur | 8084542927 |
| GulabchandPasawn | Sonwal | Paharpur | |
| Nathuni Paswan | Rajwara | Ghorasahan | 9931992453 |
| Lalit Paswan | Chhachhapac hadhi | Keoti | |
| Dev Narayan Pandit | Sigsani | Ramgharwa | 8208917753 |
| Untim Chandra Paswan | Benipur | Kesariya | 9939456209 |
| Lakhindra Paswan | Chargahan | Turkauliya | 9939210878 |
| Kashi Paswan | Chargahan | Turkauliya | 8084117729 |
| Vijay Paswan | Nariyarwa | Turkauliya | 9973745985 |
| Dukhan Paswan | Bijdhari | Kesariya | 9771102398 |
| Vidashi Paswan | Kodal | Pakridayal | 9576356877 |
| Raghu Pasawn | Bawbari | Adapur | |
| Suresh Paswan | Belwaray | Turkauliya | 9661091171 |
| Mdan Paswan | Jnerwa | Banjariya | 9632567895 |
| Ramsundar Paswan | BadkaGaw | Pakridayal | 8676012860 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Makhan Paswan | Rampur Khajuriya | Kesariya | 9771999461 |
| Shubhnarayan Paswan | BadkaGaw | Pakridayal | |
| Chandrika Paswan | Chaita | Pakridayal | 9120998110 |
| Gulabchand Paswan | Sonawal | Paharpur | 8521014251 |
| Motilal Pandit | Areraj | Areraj | |
| Nandlal Paswan | Inarwabhar | Paharpur | 8521014521 |
| Ramtapasya Pandit | Areraj | Areraj | |
| Hiralal Pandit | Areraj | Areraj | |
| Rajesh Paswan | Areraj | Areraj | |
| Deeplal Paswan | Katgenwa | Adapur | |
| HiraLal Paswan | DumariBaiju | Patahi | 9939172615 |
| HiraLal Paswan | DumariBaiju | Patahi | 9939172615 |
| Ramesh Kumar Paswan | Sripur | Ghorasahan | 9693524358 |
| Ram Lakshman Paswan | Baidhnathpur | Ghorasahan | 8102058933 |
| Hiraman Paswan | Balapur | Ghorasahan | 9661585602 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Raju Paswan | Khurahiya | Ghorasahan | 9572684788 |
| HariAom Paswan | Jihuli | Patahi | 9939023100 |
| Ashok Paswan | Padumaker | Patahi | 9006410444 |
| Wipat Paswan | PatahiNanhakar | Patahi | |
| Rameshwar Paswan | Barashankar | Patahi | |
| Khobhari Paswan | ParsauniKapoor | Patahi | |
| Kishun Paswan | ParsauniKapoor | Patahi | |
| Bhanu Paswan | Telhara Kala | Dhaka | 7677250459 |
| HarendraPashawan | Dhekha North | Motihari | 9931230171 |
| RamchantraPashwan | Dhekha North | Motihari | 9631176340 |
| Ganesh Paswan | Vill-Mesaudha | Dhaka | 9661210155 |
| Phekan Paswan. | Chandan Bara | Dhaka | |
| Sataynarayan Paswan | GonchiKushar | Kesariya | 8873433370 |
| Sakaldev Pandit | GonchiKushar | Kesariya | 9931987678 |
| Nagendra Paswan | AsarfiSahTola, | Turkauliya | 9097578884 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | Turkauliya | | |
| Mahesh Paswan | Lohargawa | Kesariya | |
| Shiv Paswan | Lohargawa | Kesariya | 7541920361 |
| Indarman Paswan | Ahirauliya | Ramgharwa | |
| Dharmendra Paswan | Sembhuapur | Kesariya | 9572527121 |
| Surendra Paswan | Mathiya | Kesariya | 9931215108 |
| Sakaldev Paswan. | Kharuhi | Dhaka | |
| Sitaram Paswan | Dhanhar | Ramgharwa | |
| Jitendra Paswan | Mathiya | Kesariya | |
| Paspat Paswan. | Hasanpur | Dhaka | 8873727609 |
| Indarman Paswan | Ahirauliya | Ramgharwa | |
| Ghesil Paswan | Sakrar | Ramgharwa | |
| Sonalal Pandit | Dhanahar | Ramgharwa | |
| Sitaram Paswan | Dhanahar | Ramgharwa | |
| Sarwajit Pandit | Raghunathpur | Ramgharwa | |
| Rudal Paswan | Murla | Ramgharwa | |
| UpendraUpjdhyay | South Huseni | Kesariya | 8084426968 |
| Gopi Paswan | South Huseni | Kesariya | 7070331325 |
| Kishori Paswan | Ramgarhwa | Ramgharwa | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Amiri Paswan | SaraiyaGopal | Patahi | |
| Suresh Paswan | Nonfarwa | Patahi | |
| Ram Sagar Paswan | Betauna | Patahi | 9973180348 |
| Sakaldev Paswan | Ruphara | Chiraiya | |
| Dhurendra Paswan | North Huseni | Kesariya | 8804959926 |
| Rambilash Paswan | Partapur | Mehsi | 9989877654 |

ज़िला - समस्तीपुर

पंचायतवार पनधारियों की सूची

| Name of the Stakeholder | Village | Block | Tel. Nmber |
|---|---|---|---|
| Singheswar Paswan | Bhagwanpur Desua | Ujiarpur | |
| Satrudhan Paswan | Bhagwanpur Desua | Ujiarpur | |
| Balouki Paswan | Ram Chandrapur Andhail | Ujiarpur | 8651752351 |
| Ashok Paswan | Pataili East, | Ujiarpur | 7631633023 |
| Laxman Paswan | Sivaisinghpur | Mohiuddinagar | 9570953266 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Vijay Passwan | Harpur Bochaha | Vidyapatinagar | |
| Sivaji Passwan | Harpur Bochaha | Vidyapatinagar | |
| Prmodh Paswan | Sivaisinghpur | Mohiuddinagar | |
| Kashi Paswan | Chakpahar | Morwa | 9572189981 |
| Kaisah Paswan | Vadaya | Mohiuddinagar | |
| Ram Kumar Pandeet | Baghara | Mohanpur | 9931973538 |
| Ramjee Paswan | Kalyanpur Basti Paschim | Mohiuddinagar | |
| Mukesh Paswan | Kalyanpur Basti | Mohiuddinagar | 9771294889 |
| Ashok Passwan | Mow Dhaneshpur South | Vidyapatinagar | 9934454704 |
| Surendar Paswan | Pachayat-Baghi | Tajpur | 9631074221 |
| Dharmendra Pandit | Nikaspur | Morwa | 9631615432 |
| Asharphi Paswan | Karimnagar | Mohiuddinagar | 9934765481 |
| Udesh Paswan | Karimnagar | Mohiuddinagar | 9576337908 |
| Premchand Paswan | Nikaspur | Morwa | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Vinod Paswan | Nikaspur | Morwa | 7899199674 |
| Shankar Paswan | Mohanpur | Mohanpur | |
| Dinesh Paswan | Mohiuddinagar Dakshin | Mohiuddinagar | 9801845679 |
| Bhola PASWAN | Mohiuddinagar Dakshin | Mohiuddinagar | 9934769118 |
| Surendra Paswan | Morwa South | Morwa | 8084805367 |
| Sanjay Paswan | Mohiuddinagar | Mohiuddinagar | 99955926747 |
| Ramnandan Paswan | Mohiuddinagar Uttar | Mohiuddinagar | 9931042610 |
| Ramchandar Paswan | Bherokhara | Tajpur | 9006281327 |
| Tuntun Paswan | Harail | Mohiuddinagar | |
| Tuntun Paswan | Harail | Mohiuddinagar | 9572849883 |
| Ragunath Paswan | MadhurapurPost-Punma Dharmpur | Shivajinagar | 9955463025 |
| Lakashmi Paswan | Madhurapur, Punmadharm Pur | Shivajinagar | 9973080354 |
| Shobhit Pandit | Fatehpurwala | Tajpur | 9939580022 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Rajesh Paswan | Mathurapur | Warisnagar | 9334544647 |
| Kapindra Paswan | Bishanpur Beri | Mohanpur | |
| Panchu Paswan | Gunai Basai | Morwa | |
| Umod Paswan | Gunai Basai | Morwa | 9681867850 |
| Jagdish Pandit | Rahtauli, Post-Shri Pur Gahr | Shivajinagar | 9534815433 |
| Raghunath Paswan | Tetarpur | Mohiuddinagar | 9608106120 |
| Lalbabu Paswan | Mheswara, Post- Bhatura | Shivajinagar | 9576941404 |
| Raj Kumar Paswan | Gunai Basai | Morwa | 8292040023 |
| Uttam Paswan | Raspur Patasiya Purab | Mohiuddinagar | 9989796959 |
| Birendra Kumar Paswan | Sahpurundi | Patori | 9931499366 |
| Lal Babu Paswan | Rahua East | Warisnagar | 8873167474 |
| Dharmendera Paswan | Badauna | Vidyapatinagar | 9534297481 |
| Harindra Pandit | Banbeera | Morwa | 9931627790 |
| Deva Nand Paswan | Bhagirtahpur | Kalyanpur | 9973737926 |
| Jimdar Paswan | Banbeera | Morwa | 9973303530 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Medhan Paswan | Sahpurundi | Patori | 7654471164 |
| Shiludar Paswan | Rahimpur Rudoli | Samastipur | 7631378362 |
| Nageena Paswan | Banbeera | Morwa | 8873741927 |
| Ram Vilash Pandit | Sari | Warisnagar | 9199526822 |
| Ram Lakhan Paswan | Bazidpur | Samastipur | 9572755280 |
| Harendra Paswan | Mahmadipur | Mohiuddinagar | 9661291798 |
| Shiv Sankar Paswan | Chhatneswar | Warisnagar | 8407046245 |
| Ramjoti Paswan | Bochaha | Mohiuddinagar | 9507336213 |
| Kamru Paswan | Chhatneswar | Warisnagar | 9525561115 |
| Suva Paswan | Wajidpur Karnal | Morwa | 7549277116 |
| Ramjiven Paswan | Chaknur | Samastipur | 8434148552 |
| Bundel Paswan | At+Po-Dashahara | Mohanpur | 9006997633 |
| Jitendra Paswan | Chhatneswar | Warisnagar | 9934979311 |
| Ram Dayal Paswan | Chhatneswar | Warisnagar | 9199676390 |
| Bindu Paswan | Musapur | Samastipur | 8084611272 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Shambhu Paswan | Lakhanpatti | Warisnagar | 8292090925 |
| Harivansh Prasad Singh | Nirpur | Samastipur | 9631437655 |
| Hukumdev Yadav | Bithan | Bithan | 9572793631 |
| Ram Kumari Devi | Lakhanpatti | Warisnagar | 9931957082 |
| Radhika Kumari | At+Po-Dharnipatti | Mohanpur | 7250420283 |
| Ram Bharosh Paswan | Nirpur | Samastipur | 9204592478 |
| Nandeshwar Paswan | Shiura | Patori | 9570871980 |
| Rabali Passwan | Bazidpur | Vidyapatinagar | 9934201924 |
| Ram Babu Paswan | Kothiya | Tajpur | 9534686341 |
| Subodh Paswan | Keso Narayan Pur | Morwa | 8051317510 |
| Indrjeet Paswan | Dhanhar | Warisnagar | 8084985759 |
| Hare Ram Paswan | Dhanhar | Warisnagar | 9801337560 |
| Mithun Kumar Paswan | Rajpur Jaunapur | Mohanpur | 8809053484 |
| Rajesh Paswan | Lakashminiya, Rahiyar Kochi | Shivajinagar | 7739587462 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Subodh Paswan | Lakashminiya, Rahiyar Kochi | Shivajinagar | 9934819518 |
| Rambahadur Paswan | Lakashminiya, Rahiyar Kochi | Shivajinagar | 7739101144 |
| Ram Balee Paswan | Purnahi | Warisnagar | 9801727305 |
| Hareram Paswan | Shambhu Patti | Samastipur | 7631532585 |
| Harilal Paswan | Shambhu Patti | Samastipur | 9534593677 |
| Shiv Nath Paswan | Shambhu Patti | Samastipur | 9771189184 |
| Shiv Nath Paswan | Shambhu Patti | Samastipur | 9771189184 |
| Lalo Paswan | Shambhu Patti | Samastipur | 9709900613 |
| Biso Paswan | Bikunth Pur Brandala | Ujiarpur | 8877448968 |
| Punita Paswan | Mohiuddinpur | Warisnagar | 9631415085 |
| Neeraj Kumar Paswan | Mohiuddinpur | Warisnagar | 9546694926 |
| Parmeshwar Paswan | Raipur | Warisnagar | 9525343641 |
| Bhahadur Paswan | Raipur | Warisnagar | 8579857120 |
| Ramchandra Paswan | Bikrampur Bande | Samastipur | 9771843698 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ram Chandra Paswan | Simaria Bhindi | Kalyanpur | 9138303939 |
| Jakerhusen | Maniyarpur | Vidyapatinagar | 9546280781 |
| Lalita Paswan | Gohi | Warisnagar | 8958694876 |
| Vijay Paswan | Dhrampur Bande | Morwa | 7250488543 |
| Ranjeet Passwan | Maniyarpur | Vidyapatinagar | 9006164130 |
| Vinod Kumar Paswsan | Bikrampur | Samastipur | 7739271603 |
| Ram Raji Paswan | Chandchaur East | Ujiarpur | 9006461125 |
| Jagnarayn Paswan | Keothar | Singhia | 7250058360 |
| Mahindra Paswan | Maniyarpur | Warisnagar | 8578941236 |
| Ranjeet Paswan | Gonwara,Post-Dharmpur | Shivajinagar | 9934124569 |
| Harilal Passwan | Mow Dhaneshpur North | Vidyapatinagar | 8677855580 |
| Raju Paswan | Rambhadrapur | Kalyanpur | 8002420703 |
| Rajendra Paswan | Singhea Khurd | Samastipur | 9631646743 |
| Denish Passwan | Sothgama | Vidyapatinagar | 9973388012 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Shivji Paswan | Chaksalem | Patori | 8676065711 |
| Mukesh Paswan | Mohanpur | Samastipur | 9709795854 |
| Gopal Paswan | Wari | Singhia | 7739733672 |
| Mahadev Paswan | Mohanpur | Samastipur | 7870117258 |
| Bindeswar Paswan | Wari | Singhia | 9771536991 |
| Rashi Kumar Paswan | Chaksalem | Patori | 7352217823 |
| Sanjay Paswan | Gagapur | Sarairanjan | 9709436232 |
| Naresh Paswan | Bangarhatta | Singhia | 9006457342 |
| Anil Kumar Paswan | Pokharaira | Samastipur | 9199799968 |
| Sunila Devi | Pokharaira | Samastipur | 8757167824 |
| Shiv Kumar Paswan | Pokharaira | Samastipur | 9931366821 |
| Dinesh Paswan | Pokharaira | Samastipur | 9939451140 |
| Rajan Paswan | Bishnupu Diha | Singhia | 9709376140 |
| Pawan Paswan | Ramapur Maheshpur | Tajpur | 9801002161 |
| Mukesh Kumar Paswan | Jahangirpur | Singhia | 9661576329 |
| Biro Paswan | Jahangirpur | Singhia | 9934625305 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Vishvanath Paswan | Latbsepura | Sarairanjan | 9507827357 |
| Sadu Passwan | Rupauli | Patori | 9931040418 |
| Kamlu Pasawan | Vishwmbhrpur Aloth | Sarairanjan | 9931048690 |
| Shambhu Paswan | Fulhara | Singhia | 8877325614 |
| Ramesh Paswan | Karpurigaram | Samastipur | 7352155106 |
| Satynarayn Paswan | Mahra | Singhia | 9939050206 |
| Ramvinesh Paswan | Mahra | Singhia | 9006436878 |
| Lalan Paswan | Mahra | Singhia | 9572988597 |
| Bindu Paswan | Chatouna | Samastipur | 9661755030 |
| Rohit Paswan | Mahra | Singhia | 9199024530 |
| Ghanu Paswan | Kundal -2 | Singhia | 9199677034 |
| Raj Kumar Passwan | Tara Dhamun | Patori | 9162688704 |
| Rajesh Pasawan | Bakhri Bujugf | Sarairanjan | 9934799795 |
| Bakher Paswan | Dasaut | Shivinagar | 9162330714 |
| Ishrdev Paswan | Karian | Shivinagar | 9631438302 |
| Ashok Kumar | Bulakipur | Dalsinghsarai | 9709420767 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Paswan | | | |
| Suresh Paswan | Bathua Bujurg | Sarairanjan | 9939661990 |
| Sunil Paswan | Ladaura | Kalyanpur | 9525527622 |
| Rajaram Paswan | Shankarpur | Shivinagar | 8292583071 |
| Ramanand Paswan | Harishankarpur | Dalsinghsarai | 9279874732 |
| Shankar Paswan | Gorai | Kalyanpur | 8298374518 |
| Chandrsekhar Paswan | Kewata | Dalsinghsarai | 8051391781 |
| Elaichi Paswan | Mahishi | Bibhutipur | 8084802704 |
| Kailash Paswan | Bikunth Pur Brandala | Ujiarpur | 8298824240 |
| Biso Paswan | Bikunth Pur Brandala | Ujiarpur | 8877448968 |
| Chandshekhar Paswan | Kerai | Bibhutipur | 9708471565 |
| Muneswar Paswan | Punash | Samastipur | 9631158463 |
| Suresh Paswan | Nauachak | Sarairanjan | 7739261192 |
| Parmod Paswan | Chandchaur Middle | Ujiarpur | 9006833161 |
| Sunil Paswan | Bishnupur | Samastipur | 7631831029 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Raso Paswan | Chandchour Karihara | Ujiarpur | 9934457610 |
| Satrudhan Paswan | Kalyanpur North | Bibhutipur | 9507014960 |
| Mallu Paswan | Chandchour Karihara | Ujiarpur | 9006566572 |
| Ramod Paswan | Chandchour Karihara | Ujiarpur | 8298908960 |
| Dahaur Passwan | Inaytpur | Patori | 9006771441 |
| Shambu Passwan | Inaytpur | Patori | 7250211508 |
| Jaggan Paswan | Harpur Rewari | Ujiarpur | 9576629529 |
| Harikant Paswan | Harpur Rewari | Ujiarpur | 8002173157 |
| Virendra Paswan | Harpur Rewari | Ujiarpur | 9661572941 |
| Rampratap Pandit | Harpur Rewari | Ujiarpur | 8809716273 |
| Dilip Pandit | Lohagir | Ujiarpur | 9939049592 |
| Dilip Paswan | Lohagir | Ujiarpur | 9631112202 |
| Sita Ram Psawan | Purusottmpur | Kalyanpur | 9631856078 |
| Sanjay Paswan | Dighra | Pusa | 8521742477 |
| Lalo Paswan | Choura Tabhka | Bibhutipur | 9572232486 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Shiv Paswan | Jitwaria | Kalyanpur | 8051900361 |
| Mahendra Paswan | Sakhmohan | Bibhutipur | 9570887315 |
| Ramakant Paswan | Desri Karakh | Bibhutipur | 8002333879 |
| Ramashish Paswan | Patailiya | Bibhutipur | 8084111777 |
| Pankaj Paswan | Patailiya | Bibhutipur | 9931001195 |
| Ramadhar Paswan | Bhuswar | Bibhutipur | 9661291923 |
| Suresh Paswan | Bibhupur North | Bibhutipur | 7654335011 |
| Upendra Pasawan | Birsingpur | Kalyanpur | 8521377019 |
| Surendra Paswan | Bibhupur North | Bibhutipur | 9661403653 |
| Suresh Paswan | Bibhupur East | Bibhutipur | 8877599800 |
| Raghu Paswan | Boria | Bibhutipur | 9939154350 |
| Shivpujan Paswan | Mathi Sauth | Bibhutipur | 8776836426 |
| Baidhnath Paswan | Singhia Bujurg North | Bibhutipur | 9135267050 |
| Ramnaresh Paswan | Belsandi Tara | Bibhutipur | 9801012486 |
| Ramniwas Paswan | Belsandi Tara | Bibhutipur | 9525965995 |
| Seedheshwar Paswan | Sarairanjan Ewst | Sarairanjan | 9199119529 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Parema Paswan | Sarairanjan East | Sarairanjan | 7631794125 |
| Chhetelal Paswan | Sarairanjan East | Sarairanjan | 9661297507 |
| Manaj Paswan | Jhakhra | Sarairanjan | 9631437825 |
| Dinesh Pandit | Wajidpur Meyari | Sarairanjan | 8521030993 |
| Ramnath Paswan | Dharampur | Sarairanjan | 9934940694 |
| Rampukar Paswan | Kisanpur Yasuf | Sarairanjan | 8298709457 |
| Naresh Paswan | Kisanpur Yasuf | Sarairanjan | 9199125696 |
| Wipat Pandit | Masapur | Sarairanjan | 8877351930 |
| Umasankar Paswan | Gangsara | Sarairanjan | 7739381050 |
| Ramashis Paswan | Rupauli Bujurg | Sarairanjan | 9006166516 |
| Triweni Paswan | Khairee | Khanpur | 9199482323 |
| Ramvilas Paswan | Jhangirpur | Khanpur | 8051966836 |
| Ramgulam Paswan | Madhurapur | Shivaji Nagar | |
| Ramgulam Paswan | Madhurapur | Shivaji Nagar | |
| Rudal Pandeit | Madhopur | Mohanpur | |
| Rampreet Paswan | Thahar | Rosera | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | Basarhia | | |
| Ramsevak Paswan | Thahar Basarhia | Rosera | |
| Shankar Paswan | Mohanpur | Mohanpur | |
| Kapindra Paswan | Dumri | Mohanpur | |
| Ram Pukar Paswan | Mothipur | Rosera | |
| Ramsajan Paswan | Mothipur | Rosera | |
| Ramsewak Paswan | Revra | Khanpur | 9973163235 |
| Vipat Paswan | Dinmanpur | Khanpur | 9507854612 |
| Biseswar Paswan | Jahangir Pur South | Rosera | |
| Patu Paswan | Chanduli | Pusa | |
| Waleshar Paswan | Bandhar | Shivaji Nagar | |
| Asharphi Paswan | Bandhar | Shivaji Nagar | |
| Kamal Kishor Paswan | Dinmanpur Uttar | Khanpur | 9709704743 |
| Sujay Pratap Singh | Jahangirpur North | Rosera | 9504884239 |
| Dilip Paswan | Sripur Gahar Purwi | Khanpur | 9931641489 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Vijay Passwan | Harpur Bochaha | Vidyapatinagar | |
| Singheshwar Paswan | Bhagwanpur Desua | Ujiarpur | |
| Satrudhan Paswan | Bhagwanpur Desua | Ujiarpur | |
| Manoj Paswan | Harishankarpur Baghauni | Tajpur | |
| Ramdyal Paswan | Harishankarpur Baghauni | Tajpur | |
| Yogendra Paswan | Sonupur South | Rosera | |
| Bhola Paswan | Raniparti | Shivaji Nagar | |
| Nand Kishor Paswan | Chaita North | Ujiarpur | |
| Bijali Paswan | Raniparti | Shivaji Nagar | |
| Ranjit Paswan | Nathudwar | Khanpur | 9709956650 |
| Sukhdev Paswan | Nathudwar | Khanpur | 7631964895 |
| Lalit Paswan | Dahiyar Ranna | Shivaji Nagar | |
| Yogi Paswan | Gaupur | Ujiarpur | |
| Kupal Paswan | Sohma | Bithan | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Kherul Khatun | Salha Bujug | Bithan | |
| Shivrani Devi | Lohagir | Ujiarpur | |
| Rausan Kumar Paswan | Bishapur Bathua | Pusa | |
| Sankar Passwan | Shekhopur | Warisnagar | |
| Kesheswar Passwan | Danhar | Warisnagar | |
| Ramesh Passwan | Dhurlakh | Warisnagar | |
| Nandlal Paswan | Salha Chandan | Bithan | |
| Suresh Paswan | Gangapur | Pusa | |
| Bachan Paswan | Haripur | Rosera | 9576668763 |
| Bhukkhal Paswan | Paroria | Ujiarpur | |
| Satyanarayan Paswan | Bhiraha East | Rosera | 9801531133 |
| Raman Paswan | Mohamadpur Koari | Pusa | |
| Suresh Paswan | Chanduli | Pusa | |
| Ramesh Paswan | Bhiraha East | Rosera | |
| Sanjay Paswan | Raipur | Ujiarpur | |
| Naresh Paswan | Raipur | Ujiarpur | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Mahesr Passwan | Rohua South | Warisnagar | |
| Rama Paswan | Bharwari | Rosera | 7739625613 |
| Pradeep Passwan | Samtalpur | Warisnagar | |
| Ganor Passwan | Samtalpur | Warisnagar | |
| Delep Passwan | Samtalpur | Warisnagar | |
| Ram Prasad Pandit | Mohiuddin Nagar | Rosera | 9939052416 |
| Dharmendra Paswan | Mohiuddin Nagar | Rosera | 7631337573 |
| Laldev Paswan | Bochha | Mohiuddinagar | |
| Shiv Kumar Paswan | Bochha | Mohiuddinagar | |
| Shivkumar Paswan | Sonupur North | Rosera | |
| Ramesh Paswan | Sonupur North | Rosera | 9771020304 |
| Punit Paswan | Sonupur North | Rosera | |
| Virju Paswan | Sonupur North | Rosera | 9931441541 |
| Lalan Paswan | At+Po-Bhagirathpur | Kalyanpur | |
| Shivjee Paswan | Sonupur North | Rosera | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Gowardhan Paswan | Choura Tabhaka | Bibhutipur | |
| Ramnath Paswan | Chakthat East | Rosera | 9631316876 |
| Ramashray Paswan | Surouli 16 | Bibhutipur | |
| Ramnaresh Paswan | Chakthat East | Rosera | |
| Premlala Paswan | Raypur Bisuan | Warisnagar | |
| Ram Bilash Paswan | Chakthat East | Rosera | 9162194414 |
| Manoj Paswan | Chakthat West | Rosera | 8873529686 |
| Anik Paswan | Gangolimanda | Bibhutipur | |
| Kapil Paswan | Gangolimanda | Bibhutipur | |
| Dinesh Paswan | Laguniya Surykanth | Samastipur | |
| Rajendra Passwan | Basntpur Ramni | Warisnagar | |
| Tetar Paswan | Gangolimanda | Bibhutipur | |
| Saguni Paswan | Kyotohar | Singhiya | |
| Uttam Paswan | Raspur Patasiya Purab | Mohiuddinagar | |
| Ramswrup Paswan | Ujan | Bithan | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ramsakal Paswan | Singhiya | Singhiya | |
| Rajkumar Pandit | Singhiya | Singhiya | |
| Lalan Paswan | Vari | Singhiya | |
| Mithlesh Paswan | Mahthi South 32 | Bibhutipur | |
| Shiv Chandra Paswan | Bahadurpur Patori | Patori | |
| Mantun Paswan | Kalyanpur | Kalyanpur | |
| Natho Paswan | Mahen | Singhiya | |
| Tuntun Paswan | Harail | Mohiuddinagar | |
| Shmbhu Paswan | Bakhri Bujug | Sarairanjan | |
| Ganga Prsad Paswan | Singhia Bujurg South | Bibhutipur | |
| Banthu Paswan | Vishanpur Diha | Singhiya | |
| Kamal Paswan | Singhia Bujurg South | Bibhutipur | |
| Vinod Paswan | Alampur Kodaria | Bibhutipur | |
| Sharwan Pandit | Singhia | Singhiya | |
| Ramji Paswan | Klayanpur Pasti Paschim | Mohiuddinagar | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Kailash Paswan | Vadaya | Mohiuddinagar | |
| Rajo Paswan | Sripur Gahar Paschhimi | Khanpur | |
| Basant Kumar Paswan | Bhorejayram | Khanpur | |
| Pramodh Paswan | Shivaishingpur | Mohiuddinagar | |
| Shankar Paswan | Shivaishingpur | Mohiuddinagar | |
| Ramnath Paswan | Shivaishingpur | Mohiuddinagar | |
| Sadhu Paswan | Vill- Rupauli Chaksima Po- Shapur Undi | Patori | |
| Umesh Paswan | Saidpur | Kalyanpur | |
| Bhola Paswan | Kudhava | Kalyanpur | |
| Vaidnath Paswan | Bhgwatpur | Sarairanjan | |
| Dukharn Paswan | Bhgwatpur | Sarairanjan | |
| Ranjeet Kumar Ram | Bangaraha | Vidyapatinagar | |
| Ramlal Paswan | Dakshi Dhamanu | Patori | |
| Rampukar Paswan | North Dhamaun | Patori | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Rampukar Paswan | North Dhamaun | Patori | |
| Rakesh Paswan | Vill- Aamdipur Po-Dharnipatti | Patori | |
| Vaidnath Paswan | Vajidpur Meyari | Sarairanjan | |
| Surendra Paswan | Nawada | Dalsinghsarai | 9709327764 |
| Premchandra Paswan | Nikaspur | Morwa | |
| Madan Paswan | Malpur Patti | Dalsinghsaray | 9006075931 |
| Sakaldeep Paswan | Nawada | Dalsinghsarai | 8877601095 |
| Shashi Paswan | Sultanpur Ghatho | Dalsinghsarai | |
| Dunialal Paswan | Harishankarpur | Dalsinghsarai | |
| Ashok Paswan | Sultanpur Ghatho | Dalsinghsarai | 9931881049 |
| Panchu Paswan | Gunai Basahi | Morwa | |
| Parmanand Paswan | Pagra | Dalsinghsarai | 9189222153 |
| Sudhir Paswan | Sultanpur Ghatho | Dalsinghsarai | 9771818982 |
| Ramchchhr Paswan | Sasan | Hasnpur | |
| Mahesh Paswan | Pagra | Dalsinghsarai | 7352924510 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Rajaram Paswan | Panr | Dalsinghsarai | 9709891430 |
| Rampravesh Paswan | Keso Narayanpur | Morwa | |
| Aseswar Paswan | Chakle Waini | Pusa | 8002437911 |
| Lakhi Paswan | Gangapur | Pusa | 8002625985 |
| Umesh Kumar Paswan | Kubauli Ram | Pusa | 9939053721 |
| Bind Kumar Paswan | Mohamadpur Koari | Pusa | 9970271312 |
| Pamod Paswan | Mohamadpur Koari | Pusa | 9576384357 |
| Ranjit Paswan | Hasanpur | Hasanpur | |
| Ramsagar Paswan | Hasanpur | Hasanpur | 7631892843 |
| Gajendra Paswan | Paroria | Hasanpur | 9661576355 |
| Jawahar Pandit | Ahilwear | Hasanpur | |
| Sajjan Paswan | Devra | Hasanpur | |
| Jagdish Paswan | Marouchi Ujar | Hasanpur | |
| Horil Paswan | Paridah | Hasanpur | 8002427742 |
| Rampratap Paswan | Paridah | Hasanpur | |
| Rambadan Paswan | Mouji | Hasanpur | 8406956738 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Nandkishor Paswan | Mouji | Hasanpur | 9546441719 |
| Krishana Paswan | Nakuni | Hasanpur | |
| Suresh Paswan | Naya Angar | Hasanpur | |

ज़िला : सीतामढ़ी

पंचायवार पनधारियों की सूची

| Name Of The Stakeholder | Village | Block | Mobile Number |
|---|---|---|---|
| Radhe Paswan | BaheraJahidpur | Nanpur | 9525731457 |
| Shahdev Pandit | Majhaur | Nanpur | 8651145567 |
| Arun Paswan | Majhaur | Nanpur | 9905375369 |
| Rajkumar Paswan | Basaha | Bajpatti | 8651080319 |
| Harinandan Pandit | Barifulwariya | Bajpatti | |
| Nunu Paswan | Barifulwariya | Bajpatti | |
| Bharat Paswan | Harpur Kala | Mejorganj | 7352251993 |
| Giraval Paswan | Raypurjagarnath | Bajpatti | |
| Ramesh Paswan | Bhoraha | Mejorganj | 6226271214 |
| Baidhnath Paswan | Ratanpur | Mejorganj | 9771966010 |
| Dasrath Paswan | Dumari Kala | Mejorganj | 9525900472 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Sursh Paswan | NanpurDakshin | Nanpur | |
| Krishanadev Paswan | KuariMadan | Mejorganj | 9576840663 |
| Hareram Paswan | Murliyadih | Bajpatti | 9576878086 |
| Nathuni Paswan | KuariMadan | Mejorganj | 9162861253 |
| Dharmendr Paswan | Murliyadih | Bajpatti | 9708876092 |
| Virendra Pandit | Madhukarpur | Sonbarsa | |
| Mauje Paswan | | Suppi | 9931969652 |
| Rajendra Paswan | Bagaha | Sonbarsa | 8002622414 |
| Anutha Paswan | Bharsand | Sonbarsa | |
| Krishn Chandra Paswan | Bharsand | Sonbarsa | |
| Ramashish Paswan | Betahi | Sonbarsa | |
| Bhikhari Paswan | SangrampurTole | Sonbarsa | 8409887465 |
| Satyanarayan Paswan | BishanpurAadhar | Sonbarsa | 9631302081 |
| Jaynandan Paswan | BishanpurAadhar | Sonbarsa | 9122559546 |
| Achchela Paswan | Kachaur | Sonbarsa | |
| Rajesh Paswan | Sarawarpur | Sonbarsa | 8873143390 |
| Raju Paswan | Rasalpur | Bajpatti | 9199592445 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Dhaneshwar Paswan | Balahamaksudan | Pupri | 9905052822 |
| Nageshwar Paswan | Hanumangar | Sonbarsa | 8969353584 |
| Viswanathpur Paswan | Ranjeetpur Pashchim | Dumra | 9801828677 |
| Vijay Passwan | Bakhri | Bajpatti | 8294372369 |
| Krishnsndan Paswan | Rohuaa | Sonbarsa | |
| Viswanath Paswan | Khairwa | Dumra | 7739993981 |
| Ramprit Paswan | Chilara Tola | Sonbarsa | |
| Bhajju Paswan | Bhorha Mal | Belsand | |
| Ratan Paswan | Avapur Uttri | Pupri | |
| Kapildevi Paswan | Harpurwa | Bajpatti | 8651062929 |
| Shivshankar Paswan | Sonbarsa | Sonbarsa | 9955327011 |
| Shambhu Paswan | Bhorha Tole Ke Gausnagar | Belsand | 9801117042 |
| Shatrudhan Paswan | Bhorha Mal | Belsand | |
| Lalbabu Paswan | Avapur Dakshani | Pupri | |
| Jaykishor Paswan | Indrwa | Sonbarsa | |
| Arun Kumar Paswan | Jafarpur | Belsand | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Mahendra Pandit | Indrwa | Sonbarsa | |
| Suchindar Paswan | Merjapur | Dumra | 9576393709 |
| Ratan Paswan | Janaki Nagar | Sonbarsa | |
| Baidhnath Paswan | Pupri | Pupri | 9234698159 |
| Hairnaryan Pandit | Pupri | Pupri | 9471294336 |
| Rajendra Paswan | Janaki Nagar | Sonbarsa | 9507850307 |
| Ramjinis Paswan | Mushaharniya | Sonbarsa | |
| Vindeshwar Paswan | Jamuaa | Sonbarsa | 8002063404 |
| Chandev Paswan | Jahjhihat | Pupri | |
| Birju Paswan | Jahjhihat | Pupri | 9525745709 |
| Ramesh Paswan | Madiya | Sonbarsa | |
| Narayan Paswan | Jahjhihat | Pupri | 9199680087 |
| Bikau Paswan | BishanpurGonahi | Sonbarsa | |
| Rambabu Paswan | Demami | Belsand | 9955676794 |
| Rajendra Paswan | Lohasi | Belsand | |
| Vaidnath Paswan | ChakRajopatti | Dumra | 8084320427 |
| Rambriksh Paswan | VishanpurKamdev | Suppi | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Bali Paswan | Rampur Kanth | Suppi | |
| Asharphi Paswan | Akhta | Suppi | |
| Devendra Paswan | SimardahKla | Suppi | |
| Raj Kishor Paswan | Kothiya Ray | Suppi | |
| Chand Paswan | BajitPurBaura | Pupri | |
| Virendra Paswan | Masahi | Suppi | |
| Ganesh Paswan | BishanpurDema | Parsauni | 8051988734 |
| Diplal Paswan | Amana | Sursand | 8986016076 |
| Pramod Paswan | ParsauniKhirodhar | Parsauni | 8809553162 |
| Jangia Devi | Pathanpura | Sursand | 8084852490 |
| Sanjay Paswan | Mishraulia | Dumra | 9572210768 |
| Dhanaye Pandit | Madanpur | Parsauni | 9771850613 |
| Munna Paswan | Sursand Uttar | Sursand | 8804346237 |
| Manoj Paswan | Virarakh | Surasand | 8521852522 |
| Raghunath Pandit | Virarakh | Surasand | 94707119950 |
| RamjanamPasvan | BaduriAmghtta | Bathnaha | 9973173123 |
| Bechu Paswan | Birrakh | Sursand | 8986553939 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ramprevesh Paswan | Premnagar | Runnisaidpur | 9470721526 |
| Ramvali Paswan | ManikChauk | Runnisaidpur | 9430917738 |
| Nandkishor Paswan | Runnisaidpur | Runnisaidpur | 9708005187 |
| Satish Paswan | Ibrahimpur | Runnisaidpur | 8298280367 |
| Munna Paswan | Gausnagar | Runnisaidpur | 9431209073 |
| Jagadish Paswan | KumharaBishanpur | Dumra | 9525371084 |
| Dimilal Pandit | KishanpurTauphir | Bathnaha | 8809414999 |
| Manoj Paswan | Manoj Paswan | Bathnaha | 9852447745 |
| Ramlal Paswan | NargaDakshni | Parihar | 9801632557 |
| Sanjay Paswan | Patahi | Bairgania | 9546227945 |
| SopundrPasvan | Madhanptti | Bathnaha | 9771154397 |
| Satyendra Paswan | Madanpatti | Bathnaha | 9771154397 |
| Parameshwar Paswan | KharawaMalahi | Parihar | 9572531042 |
| JaynarayanPasswan | Bulakipur | Riga | 9631680601 |
| ShambhuPasswan | Bulakipur | Riga | 9955715010 |
| Akalu Paswan | YogavanaBajar | Bathnaha | 9973362450 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| TapindarPasswan | PosuyaPatniya | Riga | 9534273669 |
| Prem Paswan | Riga Partham | Riga | 8969648059 |
| Lalan Paswan | Riga Dutiy | Riga | 9162942077 |
| ShambhuPasswan | Riga Dutiy | Riga | 8877784458 |
| Gagandev Paswan | BelaMachchhapaknia | Parihar | 9546724391 |
| Birendra Paswan | BelaMachchhapaknia | Parihar | 9939009377 |
| MintuPasswan | Sahbajpur | Riga | 9934277223 |
| Manoj Passwan | Sirahi | Riga | 8877784452 |
| Nawal Paswan | Jagadar | Parihar | 9905498009 |
| KodaeiPasswan | Rewashi | Riga | 8651563043 |
| Baldev Paswan | Bhgwnapur | Riga | 9708851727 |
| Ranchandra Paswan | Manpuar | Parihar | 9006597620 |
| Pawitra Paswan | Sutihara | Parihar | 9631565374 |
| Vimal Paswan | Parsandi | Parihar | 9973693885 |
| Sankar Paswan | PiparaBishnupur | Parihar | 7250462729 |
| Ramavtar Paswan | Bokhar | Bokhra | 7549454676 |
| Mahesh  Paswan | Bhawdhepur | Riga | 9973122714 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Baldev Paswan | Bhagwanpur | Riga | 9708851727 |
| Raju Paswan | Gram-BisanpurDhodhani | Parsauni | |
| Girval Paswan | Barifulvariya | Bajpatti | |
| Sikandar Paswan | Gram- Madanpur | Parsauni | |
| Sanichar Paswan | Belhiya | Bajpatti | |
| Maniram Paswan | Parasa | Parihar | |
| Baiju Paswan | Dharaharawa | Parihar | |
| Mahendra Paswan | Karawana | Parihar | |
| Biraju Paswan | Maruki | Sursand | |
| Dharm Raj Paswan | Musachak | Bairgania | |
| Dinesh Paswan | MasahaAlam | Bairgania | |
| Lakindra Paswan | AdamwanPunarwas | Bairgania | |
| Babulal Paswan | Bel | Bairgania | |
| Ramnath Paswan | Bel | Bairgania | |
| Jata Paswan | Radhaur | Sursand | |
| Ramlal Paswan | Pathanpura | Sursand | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Chandeshwer Paswan | MarpaTahir | Bairgania | |
| Laxman Paswan | SrikhandiBhithaPaschami | Surasand | |
| Lalbabu Paswan | DiwariMatauna | Surasand | |
| Bhola Paswan | Koriyahi | Surasand | |
| Suplal Paswan | Maniyari | Suppi | |
| Naresh Paswan | Maniyari | Suppi | |
| Pappu Paswan | Gram- Dumari Kala | Mejorganj | |
| Mahendra Paswan | Gram- BarahiHirram | Mejorganj | |
| Ram Ashish Paswan | BelwaParri | Mejorganj | |
| Ram Pravesh Paswan | Madhopur | Mejorganj | |
| Bhusai Paswan | Mejorganj | Mejorganj | |
| Nagendra Paswan | KuariMadan | Mejorganj | |
| Ramlal Paswan | Dihthi | Bathanaha | |
| Shivdhani Paswan | Barharwa | Suppi | |
| Shivji Paswan | Lagma | Dumra | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Vijay Paswan | Dhanushi | Runnisaidpur | |
| Kishun Paswan | Belahi | Runnisaidpur | |
| Mahendra Paswan | Runnisaidpur | Runnisaidpur | |
| Phakira Paswan | Tilak | Runnisaidpur | |
| Nathuni Paswan | Olipur | Runnisaidpur | |
| RanjitPashvan | Banul | Bokhra | |
| VisundevPashvan | Budhnagra | Bokhra | |
| Jaymangal Paswan | Nandwara | Bairganiya | 9162602990 |
| Meena Devi | PachtakiYadu | Bairganiya | 7762029348 |
| Shyambabu Paswan | ShahpurSugahi | Bathnaha | 9939846384 |
| Raj Kishor Paswan | ShahpurShitalpatti | Bathnaha | 9431405265 |
| Jai Lal Paswan | Patahi | Belsand | 9771770936 |
| Upendra Paswan | Chakauti | Bokhada | 9471294511 |
| Ram Pravesh Paswan | Ranjeetpur | Dumra | 9771365858 |
| Surendra Paswan | DumriKhurd | Majorganj | 9931918658 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Ravi Shankar Paswan | Naranga | Parihar | 9801299900 |
| Lalbabu Paswan | Dema | Parsauni | 9430937141 |
| Shivchandra Paswan | Barahi | Riga | 8809786870 |
| Vijay Kumar Paswan | Basatpur | Runnisaidapur | 9525903171 |
| Jay Narayan Paswan | Bhaluaha | Sonabarsa | 8292318958 |
| Amiri Paswan | Purandaha Rajawara | Sonabarsa | 9771084743 |
| Indal Paswan | Bisanpur Ward | Suppi | 9939438693 |
| Shiv Saran Ram | Sursand | Sursanda | 9931440971 |
| Surendra Paswan | ZillaParishad, Sitamarhi | Sitamarhi | 8986226611 |
| Ram Vinay Paswan | ZillaParishad Sitamarhi | Sitamarhi | 8294372451 |

**<u>योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा की पहचान एवं उसकी परिभाषा व् विवरण</u>**

1. मौखिक परम्पराए एवं अभिव्यक्तियाँ (भाषा इनमे आमूर्त सांस्कृतिक विरासत के एक वाहक के रूप में है)
2. प्रदर्शनकारी कलाएं

3. सामाजिक रीति-रिवाज़ ,प्रथाएं ,चलन, परम्परा,संस्कार एवं उत्सव आदि
4. प्रक्रति एवं जीव जगत के बारे में ज्ञान एवं परिपाटी व अनुशीलन प्रथाए
5. पारम्परिक शिल्पकारिता
6. अन्यान्य

सलहेस उत्सव बिहार, मूल रूप से सामाजिक उत्सव है जो महाप्रतापी व वीर राजा सलहेस की पूजा के रूप में मनाया जाता है। इस इस उत्सव का आयोजन मिथिला के अन्य कई कलारूपों, जैसे - संगीत, नृत्य, नाट्य, चित्रकला आदि के बगैर संभव ही नहीं है। जो इस प्रकार है:

1. **मौखिक परम्पराए एवं अभिव्यक्तियाँ :** राजा सलहेस की गाथा के ऊपर आधारित कई किवदंतियाँ और लोक कथा समाज में विद्यमान है। समाज के बुजुर्ग लोग बच्चों को राजा सलहेस की जीवन पर आधारित कहानी सुनाकर उनके नैतिक बल को बढ़ाने में योगदान कराते हैं। जब कभी भी सामाजिक जीवन में लोगों को कष्ट का अनुभव होता है तो राजा सलहेस के गीत गाकर सांत्वना

देते हैं। राजा सलहेस से संबन्धित कई दंत कथाएँ आज भी लोक कंठ में विद्यमान है।

2. **प्रदर्शनकारी कलाएं :**

**लोक नाट्य -** राजा सलहेस की कथा पर आधारित लोक नाट्य शैली आज भी मिथिला या बिहार ही नहीं सम्पूर्ण भारतवर्ष में प्रमुख लोक नाट्य शैली है। कुछ विद्वान इसे नटुवा नाच शैली भी कहते है। आगे चलकर इसी नाट्य शैली में समाज के अन्य लोकनायकों के गाथा को भी नाट्य के रूप में गधा गया। जिसमें प्रमुख हैं - शीत-बसंत, दुलारा-दयाल, महुआ घटबारिन, हिरानी-बिरनी, जालिम सिंह आदि।

**संगीत -** सलहेस पूजा के आयोजन में संगीत के दोनों रूप वाद्य व गायन का उपयोग किया जाता है। सलहेस के भगैत गायन में ढ़ोल, झाल, मानर आदि का इस्तेमाल होता है। कुल मिलाकर यह एक विशेष प्रकार का कीर्तन मंडली होता है जो आयोजन से पहले

समाज में घूम घूमकर सभी के घर घर जाकर चन्दा ईकट्ठा कराते है तथा सलहेस पूजा के दिन आयोजन स्थल पर कीर्तन करते है। इसी कीर्तन के लय पर मुख्य पुजारी (भागता) विशेष प्रकार का अनुष्ठानीक नृत्य करता है। जिसे माना जाता है की भागता के देह पर देवता सलहेस या राजाजी असवारी कराते हैं।

***समाज में चन्दा ईकट्ठा कराते हुए गायन-वादन मंडली***

गीत - सलहेस गायन परम्परा का प्रमुख गीत -

सुमिरन :

1. सुमिरन करई छी

देवी दुर्गा मैया के हम सुमिरन करइ छी,

पूरूबे सुमिरन करई छी, उगले सुरूज़ के

दूधबा के ढार दय सिरबा झुकाबै छी

पछिमे सिमिरन करई छी मकेश्वर नाथ के

मन के घमंड में हम मुर्गी बाली चढ़ाबइ छी

उत्तरे सुमिरन करैत छी बाबा भोलानाथ के

फूल बेलपात आरो अछत चढाबई छी

दच्छिन सुमिरन करैत छी सीरी गंगा माई के

फूलबा के हार हम हुनको चढ़ाबैत छी

सातो देवी मैया के सुमिरन करई छी

छप्पन कोटि देवता के सुमिरन करई छी॥

2. गहबर निऽ रमान आइ देवता

कऽ देलकै महिसौथामे

गहबर निर्माण देवता

कऽ देलकै महिसौथामे

आब कमल तऽ दह से

आब कमल दह से उत्पैन भेल छै

श्री सतबरता के

कमलदह से उत्पैन भेल छै

श्री सतबरता के नै हयऽऽ।

3. से सात सय पाठा मोती, खेलबै महिसौथामे

आय सात सय पाठा बरिया

खेलबै महिसौथामे यौ

सात सय पाठा

सात सय पाठा यौ मोती

खेलबै छै महिसौथामे

सात सय पाठा बरिया

खेलबै महिसौथामे ने हौ

4. राजा हौ राजा

बन्हुआँ जे खौललके हौ राजा

जल्दी से लऽ ने दीयौ

से बन्हुआँ से खोललकै राजा

जल्दी से लऽ ने दीयौ हौ।

आबै छै कहौतिया

आब आबै तऽ कहौतिया

मोतीराम दुलरुआ-2 ने हय।

5. एक सत्त करै छी यौ देवता

दू सत तऽ करै छी

तीन सत करै छी चमडीन नाम से

से देवता यौ देवता

जे नहि कहल तोहर करतै

अस्सी कोस नरकमे जाकऽ खसतै यौ।-2

6. आ जतरा बनाबै छै मोतीराम

राज तऽ हौ बरौटपुर के

आ जतरा बनाबै मोतीराम

राज तऽ बराँटपुर के ने हय

आब घड़िएक आइ चलतै

आब घड़िएक आइ चलै छै बरिया

राज तऽ बराँटपुरमे ने हय-2।

माता दुर्गा का सुमिरन -

1. हौ मइया दुर्गा के पूजा करै छै

राज तऽ मोरंगमे

मइया दुर्गा के पूजा करै छै

सब तऽ मलीनियॉ बहिन गय।

से मइया गे मइया।

2. देखियौ चलितर मैया दुर्गा के

रचना रचै छै दुर्गा मैया

मोती दुलरा लग जतरा करै छै

फलका ऊपरमे दुर्गा जुमि गेल

सात सय पाठ मोती खेलबैय

तहि असरमे दुर्गा जुमि गेल

पड़लै नजरिया मोती राम दुलरूआ के

किय कारण मैया फलका पर अयलेही

तेकर खबरिया देवी हमरा कहि दे

3. एहे पूजा लय रौ एलीयै फलका पर

सोना मंदिर बौआ हमरा बनबियौ

हमरा पूजा मोतीराम दऽ दे

सोना मंदिरबा हम तोरा से मंगैछी रौऽ।

एतबे वचनियाँ मोतीराम सुनै छै

तरबा लहरिया मोती के चढ़लै

खड़ुआ नंगोटा हाथमे लेलकै

खेल बंद मोती जे केलकै

खीच-खीच दुलरा दुर्गा के मारै छै

हकन कनै छै मैया दुर्गा

भागल दुर्गा महिसौथा चललै

डर के मारे दुर्गा फलका पर से भागि गेलै यौ।।

मने मन मैया दुर्गा सोचैय

जो जो नै बेइमनमा भल हेतै

जहिना कबूला रौ हमरा केलही

सोना मंदिर नै हमरा बनबले

मुका कोड़ा से हमरा मारले

जइ कनियाँ के डोला फनबले

तीसीपुर से डोलिया लबले

त्रिया भल नै हम तोरा हुअ देबौ रौऽऽ।

4. सुन सुन मैया हमर दिल के वार्त्ता

तोरा कहै छी दिल के वार्त्ता

हम नै जनलियै बड़ लोभीया

बात-बातमे हमरा ठकलकै

गै हमनै चिन्हलीयै छियै सतबरता

बराहमन बनि के स्वामी एलै

केना ललिसवा मैया पूरा हमरा भयतै गै।

एतबे वचनियाँ मालीन सब करैय

तब जवाब दुर्गा दइ छै

सुन गे मलीनियाँ तोरा कहै छी

दिल के वार्त्ता तोरा कहै छी

गै भागि के देवता बेलकागढ़ गेलै

आजु मलीनियाँ मानिकदह गमबीयौ

चन्द्रग्रहण मलीनियाँ लगतै

गहन लगतै नरूपिया के

जहि दिन दह स्नान जे करतै

गहबरबामे दरशन करा देबौ गै

एतबे वचनियाँ मलीनियाँ सब सुनै छै

डेरा गिरौलकै मानिकदहमे

संझा पहर साँझ मालीन लेसैय

चौमुख दिया हौ दहमे लिखैय

बाट जोहै छै श्री सलहेस के

चारू थाड़ीमे पान लगबै छै

पान पनबटा पानमे जोगलै।

रातिमे चन्द्रग्रहण लगलै

होइत भोरमे दुर्गा जुमि गेल

सुनऽ सुन बेटा श्री सतबरता सुनि ले

चन्द्र ग्रहण बेटा लगि गेल

गहन नहाइ ले दुलरा चलियौ

देबा दहमे स्नान करीहै

गहन छोड़ाबे नरूपिया देवा दहमे यौ।

एतने वचनियाँ नरूपिया सुनै छै

मने मन नरूपिया सोचै छै

तबे जवाब दुर्गा के कहै छै

सुन गे कुटनी दुर्गा सुनिलय

गै पाँचो बहिनियाँ सती मलीनियाँ

मानिकदह पर बाट जोहै छै।

केना जेबै मानिकदहमे

तखनी ने देखतै सती मलीनियाँ

मारतै जादू सुग्गा बनबितै

सुग्गा बना पिंजड़ामे देतै

जे पिंजड़ा मोरंगमे जेतै

खाली गादी महिसौथा हमर भऽ जेतै।

माता दुर्गा का जबाब -

तब जवाब दुर्गा दै छै

सुनऽ सुनऽ जादूगर राजा

जब नै सत हमरा से करबै

तब नै हम अपन बात कहबऽ

हमरा संगमे सत राजा कऽदियै हौ

एतबे वचनियाँ राजा सुनैय

दुर्गा संगमे सत राजा करैय

तबे जवाब राजा के कहै छै

राज महिसौथामे मोती बसै छै

जाति दुसाध आय कुल कहबै छै

ओकरे त्रिया कुसमावती

ओकरे हरि के जादूपुरमे लबिलियौ हौ

एतबे वचनियाँ राजा सुनै छै

उनटा राजा धरतीमे गिरै छै

जो जो बेइमनवी भल नै हेतै

सत करा के धोखा देलही

तब जवाब देवी दुर्गा दै छै

सुनि ले बेटा राजा दरबी

तोरा कहै छी दिल के वार्त्ता

योगी बनि के ड्योढ़ीमे जइहऽ

कुसमा हाथ से भीक्षा लिअ

सत करा कुसमा से लिहऽ

भीक्षा दैलय रेखा टपतै

हरि के कुसमा ड्योढ़ी से लबियौ

हरि के कुसमा हमरा तू देखादियौ रौ।।

अन्य प्रकरण -

1. हौ चलै छै मोतीराम

भागल आय मोतीराम राज तऽ महिसौथा के

आ भागल तऽ जाइ छै बरिया

राज तऽ महिसौथा के ने हय।

से खैनीये हौ लाथे

भागल आय हजमा जाइ छै

राज महिसौथा के

भागल आय हमा जाइ छै

राज महिसौथा के ने हय।

2. एतबे वचनियाँ दादा सुनै छै

तव जवाब नरूपिया दै छै

सुन गे मैया दुर्गा सुनिले

मानिकदह के रास्ता छोड़ि दे

रास्ता काटिके रास्ता चलियौ

हमर वचनियाँ एतऽ करियौ गे।

एतै से जतरा देवता करै छै

घड़ी चललै पहर बीतै छै

3. घोड़ा तऽ उड़ाबै छै सुगना

ठेंगही तऽ बाँध पर

घोड़ा आब उड़ाबै छै बरूआ

आब ठेंगही के बाँध पर ने हय।

आब पलक तँ घड़ी मे

आब पले तँ घड़ीमे जुमि गेलै

बराँटपुर के परती पर ने हय-2

आ जुमि गेलै बरियाती जखनी

राजा के ड्योढ़िया पर ने हय

लागल छै आइ सभुआ

आ भरल कचहरी छेलै

राजा तऽ बराँट केऽ

आ भरल कचहरी छेलै

राजा तऽ बराँट के ने हय।

4. सती गै मलीनियाँ

केना कऽ सुतल छै भगति गै

महुरा के जंगलबामे

आ केना कऽ सुतल छै गै भगति

महुरा जंगलबामे ने गय।

आब तेकरे आइ करणमा मलीनियाँ गै

रने-बने रटै छै

आ तकरे करणना मलीनियाँ

रने-बने रटै छै ने गय।

5. मानिकदह पर देवता जुमलै

पथल नींद मलीनियाँ के भऽ गेल

पाँच बहिनियाँ सुतल मलीनियाँ

अपना अपना पलंग पर छेलै

देवता लऽकऽ दुर्गा जुमि गेल

लच लच गारि देवता मालीन के दै छै

सुन सुन गे सुन मलीनियाँ सुनि ले

एहे मौका मलीनियाँ लगै छै।

जल्दी नींन मालिन सभ तोड़ियौ

स्वामी लऽकऽ दुर्गा जुमलै

पाछु नै दोष नै हमर दिहै

हमरा आय दोषवा नै दैहीयै गै।

एत्तेक बात मालीन सब सुनै छै

दुर्गा मैया के महिमा डोललै

अचकिं नींन मालीन सब तोड़ै छै

स्वामी दरशनमा मालीन के भऽ गेल

सब तऽ रानी देवता बोलैय

सुनि ले स्वामी स्वामी नरूपिया

दिल के वार्त्ता तोरा कहै छी

रटना रटलियै राज मोरंगमे

वयस बुढ़ा गेलै केश तिलकलै

दाँत बतीसो मुख से झड़लै

बान्हल मड़बा मोरंगमे तेजलियै

सखी-बहिन के बातो नै केलीयै

थूक फेकलियै मलीया घरमे

तोरा पर अँचड़ा बेइमनमा हम बान्हलियै हौ।।

केनाकऽ सबुरबा निरमोहिया

हमहुँ बान्हबै यौ-

6. केना कऽ साथ बेइमनमा रहबै यौ।

सतयुग छियै कलयुग अऔतै

केना नाम कलयुग चलतै

एतने आसरा हमरा पुरा कऽ दय

मन के ललिसबा पुरा कऽ दय

हमरा आय आसरा बेइमनमा

पुरा कऽ दियौ हय।।

हौ दादा नरूपिया बड़ जोर केलकै

सुन गे मलीनियाँ दिल के वार्त्ता

सतयुग छियै कलयुग अऔतै

घर-घर पूजा कलयुगमे हेतै

गै दहिना बगलमे मोती दुलरा रहतै

बौआ बुधेसर संगमे रहतै

बामा भागमे पूजा मिलतौ

तोरा पूजा हम बामा भागमे दऽ देबै गै।।

लोक देवता सलहेस को समाज का सर्वमान्य देवता का स्थान नहीं प्राप्त हुआ है। प्राचीन समाज के सामाजिक-आर्थिक अध्ययन के अनुसार तीन प्रमुख - पशुपालक वर्ग, श्रमीक वर्ग तथा लड़ाका वर्ग क्रमश: अहीर (यादव), मुशहर और दुसाध हैं। इन तीनों जातियों/वर्गों के लोक देवता - अहीर (यादव) के भुईयाँ बाबा, मुशहर के दीना भद्री और दुसाध वर्ग के राजा सलहेस हैं। इन तीनों में से यदि कोई भी जाति के लोग अपने लोक देवता का पूजा करते हैं तो तीनों का पूजा करना आवश्यक माना जाता है। जैसा कि नीचे सलहेस के गीत में देखा जा सकता है जिसमें दीना भद्री को गुहार लगाया जा रहा है -

हौ भागल दीनाभद्री जाइ छै महिसौथा

हा घड़ी चलैय पहर बीतै छै

पले घड़ी अधपेरिया बीतै छै

जुमि गेल महिसौथामे।

सभुआ लगौने देवता छेलै

बाट जोहै दीनाराम के।

आ गरामे गरा सलहेस मिलैय।

हृदय से भैया के भद्री बोलैय

जहिया से दोस्ती कटैयामे केलहक

कहियो समाध सहोदरा भेजलऽ

आ किये हौ जरूरी भैया पड़ि गेल

तेकर समाखा हमारा कहियौ

कौन दुश्मन राज पर चढ़ि गेलै

किया कारण समधिया भेजलऽ

जल्दी समाखा हमरा बता दीअ।

हा एत्तेक बात भद्री जे बोलैय

सब खबरिया देवता जे बोलैय।

बुधेसर बिआह खबरिया कहैय।

साजल बराती श्यामलगढ़ जयबै

डोलाँ फनाँ आइ कनियाँ के लौबै।

हौ सीरी भगवान के आइ देवता जपै छै

सीरी भगवान नरूपिया देवता जपै छै।

तीन सय साठि बराती महिसौथा सजैय।

संगमे भागिन करिकन्हा साजैय

हा नरबे लाख तऽ हाथी सजलकै

आ तीन सय साठि तिरहुतिया सजैय

टेंटीया फेंटीया महौत कीरतिया

गिरबिर सिरबीर तिरहुतिया बोलैय

संगमे बहिन बनसप्ति लैये

भागल बरियाती आइ श्यामलगढ़मे जुमि गेलै यौ।

हौ ताबेमे बरियाती ड्योढ़ी पर जुमि गेल

मनमे विचार राजा श्याम सिंह करै छै

तीन सय पलटन ड्योढ़ीमे खटैय

सुनऽ सुनऽ हौ सुबा हौ राजा दरबी

एको रत्ती प्राण नइ आइ तोरा बचतौ

आ सहजे आइ डोला बेटी के करीयौ यौ।।2।।

आ एत्तेक बात श्यामलसिंह सुनैय

हा पलटन बात जखनी बुझि पड़लै

ताबे बरियाती ड्योढ़ी पर जुमलै

आदर भाव बरियाती के करैय

सब बरियाती ड्योढ़ीमे बैठलै

हा चारि-चारि हाथ मोती दुलरा फँनैय

वीर पर वीर आइ सब जमा भेलै

बिना दिनमा के तिलक चढ़ बैय

बिना पोथी के दिन उचारैय

दिन मनमाँ के सेनुर दियाबै

सहजे ब्याह बुधेसर के करबैय यौ।।2।।

लाठी आ हाथ से ब्याह करबैय यौ।।

हौ ब्याह कराके देवता चलैय

हा गदमद गदमद बरियाती करैय

सब बरियाती इकट्ठा भयलैय

हा भौरानंद के मोती खोलैय

भौरा पर असवार होइय

भौरानंद हाथी पर हौदा

सात सय हाथी केरिकन्हा साजल

पाठा हाथी साजल बराती

मंगला महोतिया साथ लगौने

जहि हाथी पर देवता चढ़ल

केवल किरतिया साथ लगौने

मच-मच मच-मच मोती चलैयऽ

आगू-आगू डोलीया आय

श्यामलबती के जाइ छै ने यौ।।

हौ साजल बरियाती महिसौथा जुमलै

आ जखनी महिसौथा बरियाती जुमलै

चुम्मा चा चाखर कनियाँ भयलै

लोक देवता सलहेस मैथिल समाज के प्रमुख लोक देवता हैं। राजा सलहेस समाज में पूजा ही नहीं होता वरन मिथिला के लोक विभिन्न अभिव्यक्तियों में विद्यमान है। लोक नाट्य, लोक गीत, गाथा गायान, महराई गायान आदि। सलहेस लोक नाट्य में राजा सलहेस और उनसे संबन्धित पात्रों जैसे-कुसुमा, बुधेसर, मोतिराम आदि को मंच पर जीते हैं। वहीं इसके गीत व संगीत में कीर्तन, भक्ति, युद्ध विजय तथा महिमा मंडन होता है। गाथा गायन और महराई में राजा सलहेस के इन्हीं पक्षों का भाव पूर्ण गायन होता है।

राजा सलहेस के महराई गायन के ऊपर शब्द और प्रकरण का संकलन कार्य चल रहा है। जिसे परियोजना के अंतिम रिपोर्ट में

प्रस्तुत किया जाएगा। सलहेस महराई में मुख्य रूप से लगभग बारह प्रकरणों को विस्तार से गाया जाता है -

1. राजा जी का सुमिरन
2. प्रारम्भिक जीवन
3. सलहेस प्रेम, विवाह व द्विरागमन
4. मोतीराम-बियाह
5. बुधेसर बिआह
6. परबा-पोखरि यज्ञ
7. फुलवाड़ि दरशन आ सलहेस हाजत
8. चुहर चोरि पकरिया
9. सलहेस वंदी आ चोरमोट पकड़ब
10. करिकन्हा बिआह
11. कुसमा हरण
12. मानिकदह सलहेस दर्शन

इसके अलावे जब पूजा शुरू होता है तो मुख्य पूजारी (भगता) के साथ एक गायन मंडली भगैत गाता है और साथ ही अलग से

रसनचौकी या ढोला पिपही या ढ़ोल-तासा बजाने वालों का दल होता है जो अपने-अपने वाद्य बजाता है और उसी लय पर धीरे-धीरे मुख्य पूजारी (भगता) अपने लय को प्राप्त करता है। संगीत का इस पूजा के आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

***पूजा स्थल पर भगैत गाते हुए गायन-वादन दल***

**नृत्य -** सलहेस उत्सव के आयोजन के दिन संगीत मंडली के गायन-वादन के साथ ही जब धीरे-धीरे संगीत के धुन पर भागता (पुजारी) पर देवता का 'असवारी' होता है और एक विशेष प्रकार का थिरकन उनके शरीर में शुरू हो जाता है। उसके बाद ढ़ोल-तासा, रसनचौकी या ढ़ोल-तासा से लय मिलाकर भागता थिरकना शुरू करते हैं जो धीरे-धीरे एक

विशेष प्रकार के नृत्य में बादल जाता है।

***ढ़ोल-तासा दल के साथ लय पुजारी (भगत) मिलाते हुए***

*ढ़ोल-तासा दल के साथ लय पुजारी (भगत) मिलाते हुए*

**गाथा गायन -** राजा सलहेस का गाथा गायन बिहार का प्रमुख गाथा-गायन परंपरा है। यह परम्परा समाज में इतना लोकप्रिय है की गाँव-देहात के साप्ताहिक बाज़ार, चौक-चौराहे, मेला आदि में एक आदमी एक ढ़ोल बजाते हुए राजा सलहेस का गाथा गायन करने लगता है तो चार-पाँच सौ लोग तक ईकट्ठा हो जाते हैं। अपने दस काम छोड़कर भी इसका बड़ी गंभीरता से प्रेक्षण करते हैं।

**सलहेस गाथा गायन करते हुए कलाकार - 1**

**सलहेस गाथा गायन करते हुए कलाकार - 2**

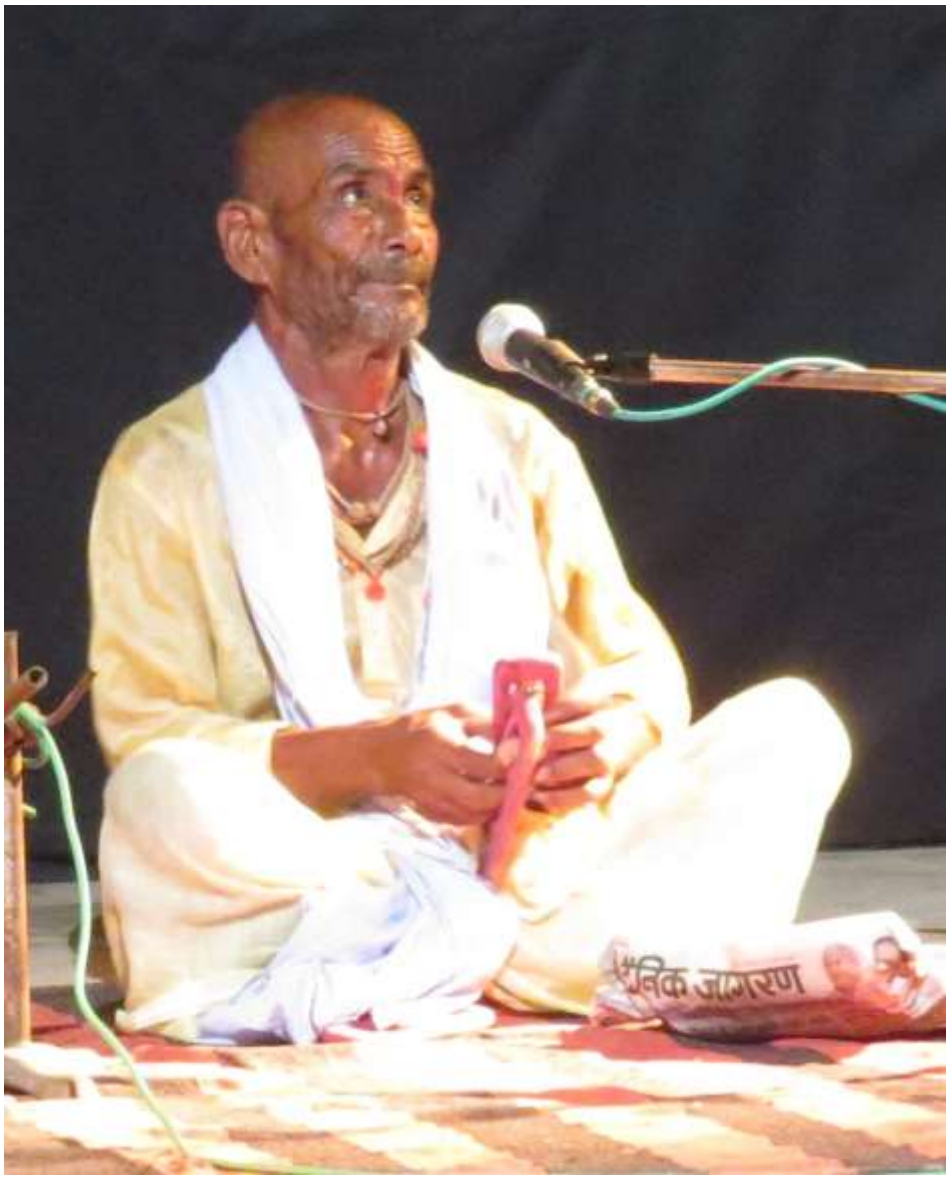


**सलहेस महाराय गायन करते हुए समुदाय के कलाकार**

**सामाजिक रीति-रिवाज़,प्रथाएं,चलन,परम्परा,संस्कार एवं उत्सव आदि -**

सलहेस उत्सव एक सामाजिक अनुष्ठाणिक उत्सव है। यह परंपरा पाँचवीं-छठी शताब्दी से चलती आ रही है। यह सामाजिक उत्सव कर्मगत जाति व्यवस्था के आधार पर वर्गीकृत सामाजिक संरचना को सुदृढ़ करती है। 'दुसाध ('दलित' जाति) द्वारा अपनी सांस्कृतिक विरासत के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसी समुदाय के विभिन्न भगतों (पुजारी), भगैत गायकों, मानर बजानेवालों, वादकों आदि की टोली इसके आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

**सलहेस पूजा के आयोजन में समाज की सहभागिता**

**सलहेस पूजा के आयोजन में समाज की सहभागिता**

**सलहेस पूजा के आयोजन में समाज की सहभागिता**

सलहेस पूजा के आयोजन में समाज की सहभागिता

सलहेस पूजा के आयोजन में समाज की सहभागिता

**सलहेस पूजा के आयोजन में समाज की सहभागिता**

माली जाति के लोग इस पूजा के लिए फूल-पान के अलावे सलहेस की मूर्ती के ऊपर तांगा जाने वाला एक विशेष प्रकार का झाँप, जिसे मैथिली में 'मऊर' कहते हैं बना कर देता जो पूजा के दिन सलहेस की मूर्ती के ऊपर टांगा जाता है। यह मऊर रंगे हुए कागज का बना होता है और इसके ऊपर मिथिला का लोक चित्रकारी की गई होती है।

माली द्वारा पूजा हेतु बनाया जाने वाला झाँप (मऊर)

राजा सलहेस, उपेक्षित वर्ग के लोगों के संरक्षक के रूप में जाने जाते है तथा तत्कालीन सामाजिक संरचना को सुदृढ़ कर समाज को जोड़ने का काम किया। सामाजिक मान्यता के अनुसार राजा सलहेस समाज के कमजोर वर्ग के ही नहीं बल्कि जीव-जन्तु के बहुत बड़े रक्षक हैं। आज भी समाज के किसान या पशुपालक वर्ग अपने पशुओं के रक्षार्थ सलहेस से मन्नत मांगते हैं। यह धारणा केवल हिन्दू ही नही मिथिला के मुसलमान संप्रदाय में भी है।

इसके आयोजन से लगभग महीन-दो महीना पहले भगैत लोक-गायन दल गाँव भर में घर-घर जाकर सभी वर्ग के लोगों को आयोजन हेतु चन्दा ईकट्ठा करते हैं। समाज का सभी वर्ग इस पर्व के लिए उत्सुकता से सहयोग करते हैं। सलहेस की मूर्ती पर मिथिला चित्रकला का भी इस्तेमाल कराते हैं। वैसे तो समाज में मुख्य पुजारी जाति ब्राह्मण हैं परंतु सलहेस उत्सव में सलहेस देवता की पूजा दुसाध जाति के लोग खुद ही करते हैं परंतु इसमें भागीदारी और सहभागिता सभी जाति के लोगों का होती है। इस पूजा में भगत-आयोजन का मुख्य पुजारी, भगैत-गायक, मानर, झाल-ढ़ोल आदि बजाने वाले कीर्तन मंडली, इसी जाति के होते हैं। आयोजन के समय रसनचौकी या ढ़ोल-पीपही, ढ़ोल-तासा भी बजाया जाता है। जिसे बजाने वाले चमार (मिथिला के एक अन्य दलित जाति) के लोग है। सलहेस की मिट्टी की मूर्ती बनाने वाले 'कुम्हार' (शिल्पकार जाति) के लोग होते हैं। आयोजन के समय अपने-अपने दु:खों को लेकर भगत से निदान पाने के लिए 'भाऊ'

कराने के लिए 'डाली' रखने के लिए सभी जाति और धर्म के लोग उपस्थित रहते है।

प्राचीन भारतीय के तरह ही मैथिल समाज परंपरागत रूप से वर्ण व्यवस्था पर आधारित था। इसमें चार वर्ण - ब्राह्मण (गुरू, शिक्षक, पुजारी), क्षत्रिय (शासक, योद्धा, और जमींदार), वैश्य (व्यापारी) और शूद्र (कारीगरों, सेवक, मजदूर) थे। इसमें सामाजिक मान्यता के अनुसार क्रमागत रूप से समाज में स्थान भी था। सबसे उच्च ब्राह्मण, उसके बाद क्षत्रिय, फिर वैश्य और अंत में शूद्र। पहले तीन वर्ण के अपेक्षा चौथे वर्ण की सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक स्थिति सबसे उपेक्षित था। इसी चौथे वर्ण के अंतर्गत दुसाध, कुम्हार चमार आदि जाति आते हैं। पहले के समय में इन जातियों को मंदिरों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं। आदि काल से सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक आध्यात्मिक रूप से हाशिये पर पड़ी ये जातियाँ अपनी देवताओं और सांस्कृतिक प्रथाओं के लिए एक सामानांतर देवताओं के लिए उत्सव यथा संभव मंदिर की स्थापना

की। जिससे इन जातियों का आत्म-गौरव बढ़ता है तथा अपनी अलग सांस्कृतिक-सामाजिक पहचान भी कायम करती है।

सलहेस उत्सव के आयोजन का सबसे बड़ा सामाजिक पक्ष यह है कि समाज में प्रमुख श्रमिक वर्ग - दुसाध, चमार, मुसहर; पशुपालक वर्ग-यादव (ग्वाला) आदि के 'कुल-देवता' अलग-अलग हैं। जैसे-दुसाध जाति के सलहेस, मुसहर जाति के दीनाभद्री, यादव (ग्वाला) जाति के कारू बाबा आदि। इन सभी देवताओं में से एक देवता की पूजा में अन्य सभी देवताओं के भाग निश्चित होता है, दूसरे शब्दों में एक जाति के कोलदेवता की पूजा में अन्य सभी जातियों के कुल-देवताओं की भी पूजा होता है। प्राचीन सामाज में जातिगत समरसता बनाने के लिए भी में इन लोक देवताओं की पूजा से संबन्धित आयोजन की अहम भूमिका है जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से अतिआवश्यक है।

**प्रकृति एवं जीव जगत के बारे में ज्ञान एवं परिपाटी व अनुशीलन प्रथाए-**

सलहेस उत्सव के आयोजन की प्रक्रिया में विभिन्न सामग्री जुटाने के के लिए समाज में चन्दा ईकट्ठा करने और कुम्हार जाती द्वारा मिट्टी की मूर्ति बनाने के साथ शुरू होता है। मिट्टी के अलावे इसमें इस्तेमाल किए जाने वाले तत्व हैं-लकड़ी, चावल की भूसी और गोबर आदि सुलभ रूप से उपलब्ध स्वदेशी और पर्यावरण के अनुकूल है वस्तुएँ हैं। अस्थाई भट्टों (आवा) में इस मिट्टी की मूर्ति को पकाया जाता है फिर लोकचित्र परंपरा जैसे मिथिला पेंटिंग्स, मौर पेंटिंग्स आदि पेंटिंग्स मूर्ती पर की जाती है। इन घोड़ों के सवार मूर्ती को सजाने के लिए मजबूत और जीवंत रंग व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। 1960 और 70 के, तक, कुम्हार प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल कराते थे परंतु आज-कल बाजार में उपलब्ध रेडीमेड रंग का इस्तेमाल किया जाता है।

ज्ञातव्य हो कि शिल्पकार जाति में इस प्रकार का कलाओं, ज्ञान या कौशल को अगली पीढ़ी में हस्तांतरित करने के लिए किसी प्रकार

का कोई औपचारिक प्रशिक्षण का न तो कोई प्रचलन है और ना ही कोई प्रावधान है। पीढ़ीयो से यह ज्ञान, कौशल, गुण आदि परम्परागत रूप से ही अगली पीढ़ी में हस्तांतरित होता आया है।

**पारम्परिक शिल्पकारिता -**

राजा सलहेस का 'गहबर' (पूजा स्थल) मुख्यत: खुले आसमान के नीचे है तो कुछ स्थानों पर स्थायी मंदिर बनाकर स्थायी रूप से मूर्ती की स्थापना भी कर दी गई है। इन जगहों पर सलहेस पूजा के दिन राजा सलहेस, कुसुमा, मोतिराम आदि की मूर्ती 'कुम्हार' समुदाय मीट्टी की मूर्ती बनाकर इस सांस्कृतिक विरासत के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। कुम्हार जाति, मिथिला का एक अलग वंचित समुदाय है तथा इस जाति के लोग मिट्टी के शिल्प कौशल में निपुण होते हैं। यह वही जाति है जो मिट्टी के विभिन्न शिल्प बनाते हैं जिसमें सर्वप्रमुख है मिट्टी का "टाईल्स" (खपरैल)। जो आज भी घर के ऊपर दिया जाता है। यहाँ एक बात अवश्य खटकती है की इसी समुदाय का पारंपरिक शिल्प कौशल

आज उद्योग का रूप लेकर फल-फूल रही है। इन मूर्तियों पर मिथिला का प्रसिद्ध चित्रकला - मिथिला पेंटिंग्स (मधुबनी पेंटिंग्स) की चित्रकारी करते हैं।

'कुम्हार' द्वारा बनाया गया राजा सलहेस की मीट्टी की प्रतिमा

सीमेंट से बनी मूर्ती

सीमेंट से बनी अर्धनिर्मित मूर्ती

मिट्टी की मूर्ती

सीमेंट से बनी मूर्ती

सीमेंट से बनी मूर्ती

**सामाजिक सौहार्द -**

वर्तमान समाज में जहां धर्म, जाति और संप्रदाय के नाम पर वैमनस्य बढ़ती जा रही है वहीं सलहेस उत्सव समाज में रह रहे विभिन्न जाति ही नहीं अलग-अलग धर्मों के लोगों को एक साथ जोड़कर सामाजिक समरसता को बढ़ाता है। केवल हिन्दू समुदाय के सभी जातियों को ही नहीं सामाजिक रूप से एकत्रित करता है बल्कि मिथिला में रहा रहे मुस्लिम समुदायों को भी यह उत्सव के अपने आयोजन के माध्यम से एकत्रित कर देता है। कई स्थानों पर

यह परंपरा है कि सलहेस पूजा से पहले सबसे मुख्य भागता (पुजारी) पास के दरगाह पर जाकर मुर्गा चढ़ाते हैं फिर सलहेस पूजा आरम्भ होता है। यह परंपरा मधुबनी ज़िला के भट्सिमर स्थित सलहेस स्थान सहित कई अन्य स्थानों पर देखने को मिलता है। इतना ही नहीं पूजा प्रक्रिया में भी प्रारम्भ से ही मौलाना साहब का अहम योगदान होता है।

सलहेस उत्सव शुरू होने से पहले दरगाह पर मुर्गा चढ़ाते हुए

**राजा सलहेस की पूजा से पहले दरगाह से पूजा करके लौटते मुख्य भागता**

**सलहेस पूजा में समाज के सभी वर्गों के महिला-पुरुष की सहभागिता**

**<u>योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा का एक रुचिपूर्ण सारगर्भित संक्षिप्त परिचय -</u>**

'सलहेस उत्सव' को हिन्दू समुदाय के दुसाध ('दलित' जाति) द्वारा अपनी सांस्कृतिक विरासत के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसी समुदाय के विभिन्न भगतों (पुजारी), भगैत गायकों, मानर बजानेवालों, वादकों आदि की टोली इसके आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। मुख्यत: भूमिहीन खेतिहर मजदूरों की यह जाति मिट्टी की मूर्ती (घुडसवार) रूप में सलहेस देवता की पूजा करते हैं और प्रसाद बांटकर खुशियाँ मनाते हैं साथ ही समाज को विभिन्न दु:ख-दर्द को भी दूर कराते हैं। 'कुम्हार' समुदाय मीट्टी के खुडसवार देवता की मूर्ती बनाकर इस सांस्कृतिक विरासत के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। कुम्हार जाति, मिथिला का एक अलग वंचित समुदाय है तथा इस जाति के लोग मिट्टी के शिल्प कौशल में निपुण होते हैं।

प्राचीन काल से ही जातिगत आधार पर विभाजित समाज को सलहेस उत्सव एक दूसरे को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। पाँचवीं-छठी शताब्दी के 'महिसौंथा' राज्य के महाप्रतापी राजा सलहेस, उपेक्षित वर्ग के लोगों के संरक्षक के रूप में जाने जाते है तथा तत्कालीन सामाजिक संरचना को सुदृढ़ कर समाज को जोड़ने का काम किया। यही कारण है की वे मिथिला समाज में लोक देवता के रूप में पूजे जाते हैं। सामाजिक मान्यता के अनुसार राजा सलहेस समाज के कमजोर वर्ग के ही नहीं बल्कि जीव-जन्तु के बहुत बड़े रक्षक हैं। आज भी समाज के किसान या पशुपालक वर्ग अपने पशुओं के रक्षार्थ सलहेस से मन्नत मांगते हैं। यह धारणा केवल हिन्दू ही नही मिथिला के मुसलमान संप्रदाय में भी है।

सलहेस पूजा वैसे तो एक दिवसीय पूजा है परंतु इसके आयोजन से लगभग महीन-दो महीना पहले सलहेस भगैत लोक-गायन टीम गाँव भर में घर-घर जाकर भगैत गाते हैं और सभी वर्ग के लोगों को

सलहेस उत्सव के आयोजन हेतु चन्दा ईकट्ठा करते हैं। पूजा के दिन सलहेस, कुसुमा की मिट्टी से बनी मूर्ती की स्थापना 'गहबर' (पूजा का स्थान) में करते हैं जिसे मिथिला के ही शिल्पकार जाति-कुम्हार बनाते हैं। सलहेस की मूर्ती पर मिथिला चित्रकला का भी इस्तेमाल करते हैं। इस आयोजन में कई अलग-अलग जाति - चमार, ग्वाला, माली, आदि का योगदान भी आवश्यक होता है।

राजा सलहेस। इन्हें श्रद्धा और आदर से "राजा जी" भी कहा जाता है। इनके पूजा स्थल को गहबर बना होता है। दुसाध जाति के होने के कारण मुख्य रूप से इन्हें दुसाधें का कुल देवता माना जाता है लेकिन मनौती पूरा होने पर अन्य जाति के लोग भी बड़ी निष्ठा और श्रद्धा के साथ सलहेस की पूजा करते हैं। इस लोक देवता के जीवन से जुड़ी लोक गाथा आज भी जन-जन में प्रचलित है। सलहेस लोकगाथा को लोक महाकाव्य और लोक महागाथा के रूप में जन-जन में मान्यता प्राप्त है। कुछ यही कारण है कि इनकी पूजा में शास्त्रीयता के स्थान पर इनकी कथा गायन प्रमुख होता है। सलहेस गाथा की कथा में राजा सलहेस के अतिरिक्त अन्य

पात्रों - मोतीराम, चन्देसर हजाम, बुधेसर, करिकन्हा, मालिन, चूहड़मल, कुसमा, पुफलवंती आदि प्रमुख हैं। ऐसी मान्यता है कि राजा सलहेस दैवी गुणों से संपन्न एक अलौकिक वीर व महा प्रतापी पुरुष थे। इन्हें जनमानस में जाग्रत देवता का दर्जा प्राप्त है। लोगों का ऐसा विश्वास है कि इनकी पूजा अथवा सुमिरन करने से तत्काल अभीष्ट की प्रापित होती है। समाज में पशुपालक या किसान वर्ग अपने पशु के ऊपर संकट के क्षणों में राजा सलहेस को याद कर ज्यों ही 'जय राजाजी पुकारता है तो ऐसा लगता है उनके पालतू पशु में नयी ऊर्जा का संचार हो गया हो। ऐसी धरणा जनमानस में आज भी बनी हुई है। जय राजा जी कहते ही भक्तजनों का विश्वास बढ़ जाता है।

उत्तर भारत विशेषकर मिथिला के गांवों में जहां भी दस-पन्द्रह घर दुसाध जाति के होते हैं वहां राजा सलहेस का गहबर निशिचत रूप से पाया जाता है। अधिकांश जगहों पर यह स्थान बरगद अथवा पीपल के पेड़ के नीचे मिटटी और पफूस का बना होता है। गहबर

में मिटटी की बनी कुछ प्रतिमायें होती हैं, जिसमें राजा सलहेस हाथी पर बैठे होते हैं। इस हाथी को भौरानंद हाथी कहा जाता है। हाथी के कंधे पर मंगला नामक महावत बैठा होता है। सलहेस के दायें भाग में भाई मोती राम और बायें भाग में भाई बुधेसर घोड़ा पर सवार रहते हैं। सलहेस के दोनों तरफ डाली में फूल लिए मालिन खड़ी रहती हैं। अंग रक्षक बतौर केवला-किरात हाथ में तलवार लिए खड़े दिखाई देते हैं। गहबर में प्रत्येक दिन पूजा का कोई नियम नहीं है। इनकी पूजा विभिन्न अवसरों पर की जाती है। कुछ भगत ऐसे भी पाये गये हैं जो गहबर में प्रतिदिन धूप-आरती किये बिना भोजन नहीं करते हैं। जिस किसी भी व्यकित की मनौती राजा सलहेस पूरा करते हैं, वह काफी धूम-धाम से इनकी पूजा करते हैं।

साल में एक बार दुसाध् जाति के लोग सामूहिक रूप से इनकी पूजा अवश्य करते हैं। पूजा में भगत की मुख्य भूमिका होती है जो प्राय: दुसाध् जाति का ही होता है। पूजा से पूर्व गहबर के चारों

ओर साफ-सफाई की जाती है। पूजन सामग्री के रूप में खीर, गांजा, पीनी-तम्बाकू, खैनी, पान-सुपाड़ी, अरबा चावल, अड़हुल पफूल, धूप, अगरबत्ती, जनेउ, तुलसी का पत्ता की प्रधनता रहती है। इसके अलावे पूजा स्थल के पास लाठी और बेंत भी रखा जाता है। इन्हीं सामग्रियों के साथ भगत राजाजी की पूजा शुरू करता है। पूजा के समय भगत नंगे बदन धोती पहनते हैं और हाथ में एक छड़ी होती है। कुछा स्थानों पर कमर में घुंघरू बांध्, हाथ में बेंत लेकर मंडप में घूम-घूम कर खेलने लगता है। इस क्रम में भगत के अन्य गायन-वादन दल ढोल, झाल, मृदंग और करताल बजाते हुए संगत करते हैं। इस दौरान भगत के गायन-वादन दल वाद्ययंत्रों के साथ सलहेस गाथा का गायन भी करते हैं। यह गायन पूजा के परंपरागत संस्कृत मंत्रों के विकल्प के रूप में होता है। वैसे तो सलहेस उत्सव का आयोजन एक दिन का और कहीं-कहीं दो दिनों की होती है। प्रथम दिन काफी भीड़ होती है। दूर-दूर से लोग इस अनुष्ठान को देखने आते हैं। दूसरे दिन कारणी के रूप में वैसे दुखी-पीड़ित लोग आते हैं जो अपनी पीड़ा और विपत्ति से छुटकारा

पाना चाहते हैं। ऐसे लोगों को भगत पहले उन्हें हाथ में अक्षत और पफूल देता है पिफर बारी-बारी से उन्हें बुला कर उनकी समस्या के बारे में बताते हुए उसके समाधन का उपाय बताते हैं। ऐसे ही कुछ कारणियों, मनौती पूरा होने की इच्छा रखने वालों से भगत उनसे मनौती पूरा होने पर सलहेस की पूजा देने का वचन भी लेता है। यही कारण है कि मनौती पूरा होने पर अन्य जाति के लोग भी राजा सलहेस की पूजा पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव से करते हैं। कोई-कोई तो उनके फूस के गहबर को पक्का भी बनवा देता है।

सलहेस लोकगाथा को लोक महाकाव्य की संज्ञा दी जा सकती है। एक ऐसा लोक महाकाव्य जो प्राचीन काल से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में मुखरित होती हुई आज भी अपने मूल रूप में जीवित है, परलौकिकता नहीं लौकिकता के कारण। संपूर्ण सलहेस लोक गाथा वीर, श्रृंगार, करूणा, शांत और अदभुत, रसों से परिपूर्ण है। सलहेस लोक गाथा में जिन स्थानों की चर्चा है वे आज भी अपनी जगह कायम है। इससे पता चलता है कि यह कतई काल्पनिक नहीं है।

यह लोक गाथा मध्यकालीन समाज की राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक व्यवस्था का जीवंत दस्तावेज माना जा सकता है। मौखिक परंपरा वाली इस लोक गाथा में तत्कालीन राजनीतिक सिथति, दंड विधन, वर्ण व्यवस्था, अंध्विश्वास, आम जनता के जीवन स्तर, महिलाओं की सिथति आदि की झलक मिलती है।

**राजा सलहेस -**

सलहेस की कहानी के बारे में विभिन्न लिखित साक्ष्यों, लोक कंठों और अलग-अलग स्रोतों से खोज अकरने पर वैसे तो कथा लगभग एक जैसा ही देखने को मिलता है परंतु सूक्षमता से अध्ययन करने पर थोड़ा बहुत अंतर भी मिलता है। इसमें ब्रह्मानन्द ठाकुर का लोक देवता राजा सलहेस के बारे में कथन सबसे विस्तृत है - नेपाल की तराई में एक गांव है महिसौथा जहां दुसाध जाति के एक महात्मा थे। उनका नाम था वाक मुनि। वे 12 वर्ष की कठोर तपस्या में लीन थे। इसी दौरान इन्द्र लोक से मायावती नाम की एक अप्सरा फूल लोढ़ने के लिए यहां आयी। फूल चुनने के क्रम में उनकी नजर साधाना में लीन वाक मुनि पर पड़ी। मुनि के सुन्दर

रूप को देख कर वह मोहित हो गयी। अपने हाव-भाव से मायावती ने मुनि का ध्यान भंग कर दिया। इस पर मुनि ने मायावती को शाप दिया कि जिस प्रकार तूने मेरी तपस्या भंग किया है उसी तरह तुझे अब इन्द्रपुरी में स्थान नहीं मिलेगा। तुझे अब मृत्युलोक में भटकना पड़ेगा। यह सुनते ही मायावती अंतर्नाद करते हुए मुनि से क्षमा याचना करने लगी। इस पर मुनि ने कहा कि मैंने जो शाप दिया है वह तो वापस नहीं हो सकता लेकिन मृत्यु लोक में तुम दिव्यशकित संपन्न तीन पुत्रा और एक पुत्री की माता बनकर गौरव प्राप्त करोगी। तुम्हारा मृत्वलोक में मंदोदरी नाम होगा। पहला बच्चा तुम्हे महिसौथा के कमलदल तालाब में पुरईन के पत्ते पर मिलेगा। तुम उसका नाम सलहेस रखना। बड़ा होकर वह दैवी शकित से संपन्न राजा बनेगा। उसका बड़ा नाम होगा। कलियुग में भी लोग उसकी पूजा करेंगे। इसके बाद दो पुत्र और एक पुत्री पैदा होगी। मझले का नाम मोती राम और छोटे पुत्रा का नाम बुध्ेसर रखना। बेटी का नाम बनसप्ती रखना। ये सभी सलहेस का अनुगामी होकर दुनिया में बड़ा नाम करेंगे। इतना कह कर मुनि

अन्तघ्यान हो गये। इसके बाद मायावती को महिसौथा के कमलदल तालाब में पुरईन के पत्ते पर एक बच्चा मिला। यही बच्चा सलहेस हुए और अप्सरा मायावती मंदोदरी कहलायी। काल-क्रम से मंदोदरी ने दो लड़का और एक लड़की को जन्म दिया।

मुनि के कथनानुसार मंझले का नाम मोती राम, छोटे का बुधेसर और लड़की का नाम बनसप्ती हुआ। इस तरह तीनों भाई ने मिलकर महिसौथागढ़ में अपना राज्य स्थापित कर लिया। बनसप्ती जादुगरनी बन गयी। कहा जाता है कि छः महीना आगे-पीछे वह जानती थी। बनसप्ती का प्रेम विवाह सतखोलिया के राजा शैनी से हुआ। इससे उसे एक पुत्रा पैदा हुआ जिसका नाम करिकन्हा रखा गया। वह स्वभाव से बड़ा ही उदंड था। उधर 12 वर्ष उम्र होने के बाद सलहेस की माता मंदोदरी को सलहेस के विवाह की चिंता होने लगी। इस बीच सलहेस ने महिसौथा में अपना विशाल राज्य स्थापित कर लिया। चौदह कोस में उसके राज्य का विस्तार हो गया। सलहेस के विवाह के लिए योग्य लड़की

की तलाश होने लगी। पंडित और नाई अनेक राज्यों में घूम-घूम कर योग्य कन्या की तलाश करने लगे लेकिन सलहेस के योग्य कोई लड़की नहीं मिली। आखिर अंत में मंदोदरी ने पंडित और नाई को बुला कर कहा कि बराटपुर के राजा बराट की एक पुत्री है। बड़ी ही सुशील और संस्कारवाली। उसका नाम है सामरवती। जन्म लेते ही उसने प्रतिज्ञा कर रखी है कि वह यदि विवाह करेगी तो महिसौथा गढ़ के राजा सलहेस से नहीं तो आजन्म कुंवारी ही रहेगी। इसलिए राजा बराट को सलहेस के सामरमती से विवाह का संदेश दे दीजिए। राजा बराट को लिखा विवाह के इस प्रस्ताव का पत्र लेकर चन्देसर नाम का नाई महिसौथा से बराटपुर के लिए प्रस्थान किया। राजा बराट जाति से क्षत्रिय थे और स्वभाव से अत्यंत कठोर। नाई से विवाह सम्बन्धी प्रस्ताव का पत्र पढ़ते ही वह आग-बबुला हो गया और उसे जेल में डलवा दिया। इधर महिसौथा राज में चन्देसर हजाम के वापस नहीं आने से लोगों की चिंता बढ़ गयी। मोतीराम ने माता दुर्गा को स्मरण किया और सारी बातें उन्हें विस्तार से बता दिया। दुर्गा ने तुरंत प्रकट होकर

मोती राम को बता दिया कि राजा बराट ने चन्देसर हजाम को कैद कर लिया है तथा यह भी कहा कि सलहेस का विवाह राजा बराट की पुत्री सामरवती से ही लिखा है। यह होकर रहेगा। इतना सुनते ही मोती राम का गुस्सा आसमान पर चढ़ गया। उसने अपने भांजा करिकन्हा को बुलवाया और बराटपुर के लिये प्रस्थान किया। रास्ते में एक साथ सात सौ घसवाहिनियां मिलीं। ये सब के सब जादुगरनी थी। सबों ने मोतीराम को अपने जादू के बस से परेशान कर दिया। बाद में मोतीराम से उन्हें परास्त होना पड़ा। इस तरह मोतीराम अपने भांजे के साथ बराटपुर पहुंचे। राजा बराट उनकी शकित के सामने अपने को कमजोर समझ कर हथियार डाल दिये। चन्देसर नाई को रिहा कर दिया। राजा बराट ने विवाह की सहमति दे दी। बारात सजा कर लाने के लिए मोतीराम अपने भांजे के साथ वापस महिसौथा आ गये।

बीच का एक और घटनाक्रम इस लोकगाथा को विस्तार देता है। राजा हिनपति मोरंग के राजा थे। उनकी स्त्री थी दुखी मालिन। इस

मालिन की कोख से रेशमा, कुसुमा, दौना, तरगेना और पफूलवंती पांच बेटियां पैदा हुई थी। सबसे बड़ी पफूलवंती थी। जन्म के साथ ही पफूलवंती ने सलहेस से विवाह करने का संकल्प लिया हुआ था। अब तक उसकी मुलाकात सलहेस से नहीं हुई थी। दुर्गा की अराध्ना कर पांचो बहन सलहेस की तलाश में निकल पड़ी। वे सब भी जादू जानती थी। सलहेस की तलाश करते हुए वे सभी महुरावन में आ गयी जहां से मोती राम अपने भाई सलहेस की बारात सजा कर बराटपुर के लिए प्रस्थान करने वाला था। मोती राम ने सलहेस को भौरानंद हाथी पर सवार करा दिया और बारातियों को चेतावनी दे दी कि मोरंग की पांचों बहन मलिनिया भईया पर आंख लगाये हुए है इसलिए सावधन रहना।

दिन रहते बारात बराटपुर पहुंच गई। दरवाजा लगाने के लिए उचित समय आने के इंतजार में सभी बाराती आराम करने लगे। सलहेस अपने भौरानंद हाथी पर सवार थे। उधर महुरावन में पांचों मलिनिया सो रही थी कि देवी दुर्गा ने उसे सपने में बता दिया कि

जिस सलहेस से विवाह के निमित्त तुम प्रतिज्ञा किये हुए हो उसे मोतीराम राजा बराट की पुत्री से विवाह कराने के लिये ले जा रहा है। जैसे ही बराट की पुत्री से सलहेस का विवाह हुआ, तुम्हारी मनोकामना धरी रह जाएगी। अभी सभी बाराती बराटपुर के मैदान में आराम कर रहे हैं। यह सुनते ही पांचों बहन बराटपुर पहुंच गयी। मोतीराम, करिकन्हा समेत सभी बाराती नींद में बेसुध् थे। पांचों बहन ने जादू के बल पर सलहेस को सुग्गा बना दिया और पिंजड़ा में लेकर भाग चली। इस बीच बारातियों की जब नींद खुली तो भौरानंद हाथी पर सलहेस को न पाकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी। मोतीराम ने इस घटना को दुर्गा की करतूत मानते हुए घोड़े पर सवार होकर उनका पीछा करना शुरू कर दिया। उसने जब दुर्गा को स्मरण करते हुए अपने भाई के बारे में पूछा तो दुर्गा ने उसे बताया कि पांचों मलिनिया सलहेस को लेकर ठेंगटी गांव में पहुंच गयी है। मोतीराम जब वहां पहुंचा तो पांचों मलिनियां सलहेस को खीर बनाकर बरगद के घोंघड़ में रख कर स्वयं नटिन का रूप धरण कर एक जगह बैठ गयी। मोतीराम ने जब सलहेस के बारे में

पूछा तो पांचों बहनों ने अपनी अनभिज्ञता जतायी। इसके बाद उसका उग्र रूप देख कर मार-पीट के डर से सलहेस को उसके असली रूप में लाकर उसके हवाले कर दिया। इसके बाद मोतीराम सलहेस के साथ बराटपुर आये और राजा बराट की पुत्री से उसका विवाह हुआ। विवाह की रात में कोहबर घर से पिफर पांचों मलिनियां जादू के बल पर सलहेस को चुरा ले गयी। अंत में सामरवती ने यह विश्वास दिला कर उनसे सलहेस को मांग लिया कि जैसे ये हमारे पति हैं वैसे तुम्हारे भी पति हैं। मायके से ससुराल महिसौथा जाने के तुरंत बाद मैं अपने स्वामी को तुम्हारे पास मोरंग भेज दूंगी। सामरवती के ऐसा विश्वास दिलाने के बाद पांचों बहनों ने सलहेस को असली रूप में सामरवती को वापस कर दिया और वे सब महिसौथा वापस आ गये। सलहेस के बाद मोतीराम और बुधेसर का भी विवाह हुआ। सलहेस को जब सामरवती द्वारा पांचों बहन मालिन को दिये गये वचन के बारे में मालूम हुआ तो वह उत्तराखंड राज के राजा भीम सेन के यहां नौकरी करने चला गया।

इस बीच महिसौथा गढ़ में सलहेस की याद में उदासी छा गयी। एक दिन राजा भीम सेन के राज में नौकरी करते हुए पफुर्सत के समय में सलहेस कदम्ब गाछ के नीचे बांसुरी बजा रहे थे कि पेड़ पर बैठा एक सुग्गा सीता-राम-सीता-राम करने लगा। वे उस सुग्गे को पहचान गये। वह महिसौथा का उनका प्यारा सुग्गा हिरामन था। वह पेड़ से उतर कर उनके पास आया और महिसौथा गढ़ का सारा हाल सुनाने लगा। कहा कि उनके वियोग में मां, भाई, सामरवती और महिसौथा गढ़ का बुरा हाल है। इतना सुनकर सलहेस वापस महिसौथा आ गये। इसके बाद बंगाल के तीसीपुर के क्षत्रिय राजा की बेटी कुसुमावती से मोतीराम और श्यामल गढ़ के राजा श्याम सिंह की पुत्री श्यामलवती से विवाह होती है। इस अन्तर्जातीय विवाह में संघर्ष, जादू-टोना और दाव-पेंच सलहेस लोक गाथा को लोकप्रियता प्रदान करता है। सामंती समाज व्यवस्था में जातिगत आधर पर जो द्वन्द्व था वह इस लोक गाथा में स्पष्ट दृषिटगोचर होता है।

यह लोक गाथा उस समय मोड़ लेती है जब सलहेस की पत्नी सामरवती पांचो बहन मलिनियां को दिये अपने वचन की याद दिलाते हुए स्वामी सलहेस से कहती है कि वह वचन पूरा करने के लिए उन्हें मोरंग जाकर उनसे मिलना चाहिए। वह कहती है कि जिस रात मेरे कोहबर से आप को चुरा लिया गया था उस दिन इसी शर्त पर मालिन से मैं आपको मांग लायी थी कि गौना के बाद मैं आपको उन्हें सौंप दूंगी। मैं वचन हार चुकी हूं। इसलिए आप वह वचन पूरा कीजिए। इसी बात पर सलहेस मोरंग के लिए प्रस्थान करते हैं। साथ में है वही हिरामन सुग्गा जो भूत-भविष्य सब जानता है। मोरंग पहुंच कर परबा पोखर पर वे लोग ठहर जाते हैं। यहां देवी दुर्गा पिफर एक बार करिश्मा करती है। पहर रात रहते दुर्गा भोर होने का आभास कराकर पफूलवंती को पोखर में स्नान कराने के लिए भेज देती है। इधर हिरामन की सलाह पर सलहेस पोखर (तालाब) में भरपूर मात्रा में सिंदूर डाल कर एक किनारे बैठ जाते हैं। ज्योंही फूलवंती पोखर में प्रवेश कर पानी

छींटा मुंह पर देती है कि संपूर्ण माथा सिंदूर के रंग से लाल हो जाता है।

इसके बाद तो हंगामा हो गया कि कोई छल से पफूलवंती की मांग में सिंदूर डाल दिया। बात पफूलवंती के पिता राजा हिनपति तक पहुंचती है। फूलवंती पंडित के भेष में बैठे सलहेस को नहीं पहचान पाती है। राजा के सिपाही सलहेस को गिरफ्रतार कर जेल में डाल देते हैं। यहां फिर देवी दुर्गा एकबार सहायक बनती है और सलहेस के मोरंग में गिरफ्तार होने की खबर महिसौथा गढ़ पहुंच जाती है। यहां से मोतीराम और भांजा करिकन्हा दोनों मोरंग पहुंचते हैं। पहले राजा हिनपति के पुत्रा करण सिंह और मोतीराम के बीच युद्ध में करण सिंह मारे जाते हैं।

अब बारी हिनपति की आती है तो पफूलवती बीच बचाव करते हुए मोतीराम से कहा कि मैं आपकी धर्म की भाभी हूं। इस पर मोतीराम राजा हिनपति की जान बख्श देते हैं। राजा हिनपति सलहेस को आजाद कर देते हैं। इसके बाद मोरंग की पांचो बहनें

राजा सलहेस के दर्शन के लिए महिसौथा गढ़ आकर दुर्गा से आग्रह करती है कि वे उनका दर्शन किसी तरह करा दें। रेशमा, कुसमा, दौना, तरेगना और पफूलवंती पांचों बहनें यह संकल्प लेती है कि यदि उन्हें सलहेस के दर्शन नहीं हुए तो वे एक साथ विष खाकर जान दे देंगी। इस पर दुर्गा उन्हें मानिकदह पोखर पर आकर इंतजार करने को कह कर सलहेस को भी उस पोखर पर आने के लिए प्रेरित करती है। सुग्गा हिरामन यहां भी यह कहते हुए सलहेस को सावधन करता है कि वहां जाने पर जादुगरनी मालिनें आपको फिर सुग्गा (तोता) बनाकर पिंजड़ा में कैद कर लेगी।

राजा सलहेस प्रतिदिन मानिकदह में स्नान कर वहां से फूल लाकर अपने इष्ट देवता की पूजा करते थे। सो इसमें किसी तरह का व्यतिक्रम करना वह नहीं चाहते थे। इसलिए हिरामन की सलाह पर वे पंडित का भेष धारण कर मानिकदह पहुंच गये। वहां वे देखते हैं कि स्नान करने वाले सभी पांचो धर को पहले से मालिन युवतियां छेके हुए है। वे उनसे एक धर खाली कर देने का अनुरोध करते हैं।

इस पर पंडित भेषधरी सलहेस से वे कहती हैं कि हम लोग सलहेस से मिलने की प्रतीक्षा में यहां बैठी हैं। इस पर सलहेस कहते हैं कि हम तो ब्राह्माण हैं। स्नान करके पूजा करने जाना है। इसलिए एक धर छोड़ दो। तुम्हारा सलहेस तो महिसौथा में बैठा हुआ है। एक बार फिर पांचों बहन मालिन ठगी जाती है। दुर्गा को भला-बुरा कहने लगती है। इस पर दुर्गा भेद खोलते हुए कहती है कि वह जो पंडित था वही तुम्हारा सलहेस था। इसके बाद चन्द्र ग्रहण के अवसर पर जब सलहेस मानिकदह में स्नान करने आते हैं तो वहां पहले से डेरा जमाये हुए पांचो बहनें गहरी नींद में सो रही थीं। दुर्गा ने उन्हें पहले ही बता दिया था कि चन्द्र ग्रहण के अवसर पर तुम्हें निशिचत रूप से सलहेस से भेंट होगी। दुर्गा की कृपा से उन सबों की नींद टूटती है और उन्हें सलहेस के दर्शन हो जाते हैं। इन पांच बहनों का सलहेस से चिर प्रतिक्षित मिलन इस लोक गाथा का सर्वाधिक कारूणिक पक्ष माना जाता है। मिलन के बाद जब पांचो बहनें यह कहती हैं कि आपसे विवाह की प्रतीक्षा में मैंने मां-बाप को छोड़ दिया। मोरंग में विवाह के लिए बने मंडप को ठुकराया,

सखी-सहेलियों की बातें नहीं मानी और अपने पिता के घर को लात मार कर चली आयी। अब मेरा वयस भी बीत चुका है। बाल पक गये। दांत टूट चुके हैं। अब मेरी जिंदगी का क्या होगा? हमारा नाम कैसे चलेगा, अरे निर्मोही। मेरी आश तो पूरी कर दो। उनके इस कथन पर दिव्यशकित संपन्न सलहेस ने कहा-'यह सतयुग है। इसके बाद कलियुग आयेगा। हमारे साथ तुम्हारी भी पूजा घर-घर में होगी। मेरे दाहिने भाग में भाई मोतीराम और साथ में बुधेसर रहेगा। तुम हमारे बायें भाग में रहोगी और इसी रूप में लोग हमारी पूजा करेंगे। गहबर में हाथी पर सवार राजा सलहेस की प्रतिमा के दोनों ओर फूलों से भरी डाली हाथ में लिए जो मालिन खड़ी दिखाई देती है वह वही मालिन है। महिसौथा गढ़ से 6-7 मील दूर आज भी राजा सलहेस की पफुलवाड़ी का अवशेष कायम है जहां जूर-शीतल के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन होता है।

कुल मिला कर राजा सलहेस की कहानी अपने मान-सम्मान और अधिकार के लिए संघर्षरत समाज के अंतिम जन की कहानी है।

यही कारण है कि अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरूद्ध आजीवन संघर्षरत, दैवी शकित संपन्न सलहेस की आज भी पूरी निष्ठा के साथ पूजा की जाती है।

**<u>सलहेस उत्सव परम्परा के तत्वों के अभ्यासी व्यक्ति -</u>**

सलहेस उत्सव एक सामाजिक उत्सव है और इस परंपरा के पोषण, संवहन, संवर्द्धन व अगली पीढ़ी में इसको ले जाने की जिम्मेवारी समग्र समाज का सामूहिक है। समाज अपने इस काम को कमोवेश करता भी है। मिथिला के इस अमूर्त सांस्कृतिक परम्परा के अभ्यास के विभिन्न भागों के अधिकारी जातिगत है। दुसाध जाति आबादी वाले गाँव में इस उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार मिथिला के जिस किसी गाँव में संबन्धित जाति के लोग रहते हैं सीधे तौर पर वे इसके संवाहक होते हैं। जैसे - भगता, भगैत गायन-वादक दल दुसाध जाति; रसनचौकी, ढ़ोल-तासा बजानेवाले लोग चमार जाति के; मूर्ती बनाने वाले कुम्हार जाति

के, फूल-मौर माली जाति के तथा समाज के सभी पशुपालक किसान व श्रमिक वर्ग आदि। किसी गाँव में इनमें से किसी जाति के लोग नहीं होते हैं तो आस-पड़ोस के गाँव से संबन्धित जाति के लोग इस आयोजन में मदद को तत्पर होते हैं। पिछले पृष्ठों में समाज के इन्हीं व्यक्तियों के नाम संपर्क सूची में दिया गया है।

इस सामाजिक उत्सव की परंपरा को अगली पीढ़ी तक संचरण के लिए किसी प्रकार का कोई भी औपचारिक प्रशिक्षण या ढांचागत व्यवस्था का विकास नहीं हुआ है। इस आयोजन से संबन्धित सभी प्रकार के ज्ञान व कौशल परम्परागत रूप से अपाए आप ही अगली पीढ़ी तक हस्तांतरित होता आया है। परंतु वर्तमान के परिस्थितियों के मद्देनजर इस उत्सव से संबन्धित सभी प्रकार के ज्ञान, कौशल आदि को अगली पीढ़ी तक पाहुचाने के लिए औपचारिक प्रशिक्षण या ढांचागत व्यवस्था करना आवश्यक लगता है।

**<u>सलहेस उत्सव के ज्ञान और हुनर/कुशलता का वर्तमान में संचारित तत्वों के साथ अंतर सम्बन्ध</u> :**

सलहेस उत्सव एक सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव होने के साथ एक जाति विशेष - दुसाध का अनुष्ठाणिक उत्सव है। 'राजा सलहेस' इस जाति के कुलदेवता भी हैं। इसलिए इस उत्सव के ज्ञान व हुनर से संबन्धित विभिन्न पहलुओं पर इस जाति का विशेषाधिकार है। अत: जिस गति से आधुनिक समाज में वैश्विकरण के प्रभाव से बदलाव आ रहा है उस गति से इसके ज्ञान और हुनर को वर्तमान संचारित तत्वों के आवश्यकतानुसार बदलाव नहीं किया जा सका है। लोक देवता "राजा सलहेस" की पूजा तक तो समाज के एक वर्ग विशेष का एकाधिकार तो है परंतु जब इनकी कथा एक लोक नाट्य शैली के रूप में विकसित होता है तो वर्ग विशेष के एकाधिकार कि सीमा को तोड़ते हुए आगे निकाल जाता है। सलहेस लोक नाट्य शैली के रूप में आधुनिक संचार तत्वों के साथ अग्रसर होने को है। इसके आडियो, वीडियो, पुस्तकें आदि का प्रचलन देखने को मिलता है।

**<u>सलहेस उत्सव के आयोजन का सामाजिक व सांस्कृतिक दृष्टिकोण -</u>**

सलहेस उत्सव का आयोजन मिथिला के समाज को सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से सबल बनाता है। वैसे तो यह एक समुदाय के जाति विशेष का है परंतु इसके आयोजन के पीछे सम्पूर्ण समाज, भले ही किसी भी जाति या धर्म का हो, श्रद्धा से सम्बद्ध होते हैं।

सामाजिक उत्सव कर्मगत जाति व्यवस्था के आधार पर वर्गीकृत सामाजिक संरचना को सुदृढ़ करती है। 'दुसाध ('दलित' जाति) इसके आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। परंतु इसके आयोजन में कई जाति के सहयोग या उनके पारंपरिक कौशल की आवश्यकता होती है। जैसे रसनचौकी/ढ़ोल-पीपही या ढ़ोल-तासा बजाने के लिए चामार जाति, सलहेस की मूर्ती बनाने के लिए कुम्हार, फूल आदि के लिए माली जाति। सामाजिक मान्यता के अनुसार राजा सलहेस समाज के कमजोर वर्ग के ही नहीं बल्कि जीव-जन्तु के बहुत बड़े रक्षक हैं। आज भी समाज के किसान या

पशुपालक वर्ग अपने पशुओं के रक्षार्थ सलहेस से मन्नत मांगते हैं। यह धारणा केवल हिन्दू ही नही मिथिला के मुसलमान संप्रदाय में भी है। आयोजन के समय अपने-अपने दु:खों को लेकर भगत से निदान पाने के लिए 'भाऊ' कराने के लिए 'डाली' रखने के लिए सभी जाति और धर्म के लोग उपस्थित रहते है।

वर्तमान समाज में बहुत कम ऐसे सामाजिक उत्सव पाए जाते हैं जिसमें एक आयोजन में नृत्य, नाट्य, संगीत, शिल्प, पारंपरिक परपाती या ज्ञान आदि जैसे अनेकों पारंपरिक कलारूपों और कौशल का प्रयोग आवश्यक होता है। इसी आयोजनो के माध्यम से ये पारंपरिक कला के साथ सामाजिक सदभाव का संवाद अगली पीढ़ी तक जाता है।

सलहेस उत्सव के आयोजन में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे प्रतिपादित अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार के मानको के प्रतिकूल हो या समुदाय, समूह या फिट व्यक्ति के आपसी सम्मान को ठेस

पहुँचती हो। सलहेस उत्सव किसी के स्थायी विकास को बाधित नहीं करती है न ही यह परम्परा देश के क़ानून या फिर उनसे जुड़े समुदाय के समन्वय को या दूसरो को क्षति पहुंचाती है। सलहेस उत्सव से संबन्धित संवाद के लिए पारदर्शिता, सजगता और सामाजिक प्रोत्साहन को पूर्णरूपेण सुनिश्चित करती है |

**<u>सलहेस उत्सव परम्परा के तत्वों के संरक्षण के लिए -</u>**

सलहेस उत्सव के आयोजन से संबन्धित सभी घटकों के लिए किसी प्रकार का कोई औपचारिक या अनौपचारिक प्रशिक्षण का प्रावधान नहीं है। यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में सामाजिक लोकजीवन में अभ्यास के माध्यम से ट्रांसफर होती है।

सलहेस उत्सव के सभी पहलुओं का दस्तावेजीकारण करना आवश्यक है साथ ही समाजशास्त्रियों, इतिहासकारों व लोककलाविदों द्वारा इसके सामाजिक-आर्थिक व सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि से शोध, अध्ययन की आवश्यकता है। वैसे

सलहेस लोकनाट्य शैली का विकसित होना और इस शैली पर विभिन्न संचार माध्यम में संबन्धित वस्तुओं (पुस्तक, आडियो, वीडियो आदि) का उपलब्ध होना सापेक्ष है। परंतु इन्हीं प्लेटफार्मों पर इस उत्सव का सामाजशास्त्रीय दृष्टिकोण विकसित करना व इसका प्रसार करना अत्यंत आवश्यक है।

**<u>स्थानीय राज्य एवं रास्ट्रीय स्तर पर सलहेस उत्सव परम्परा के तत्वों के संरक्षण के लिए अधिकारियों द्वारा किए गए उपाय -</u>**

कुछ स्वयंसेवी संगठनो के छिट-फुट प्रयासों के अलावे स्थानीय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सलहेस उत्सव के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा कोई ठोस उपाय नही किए गए हैं। कई स्थानों पर स्थायी सलहेस गहबर भी उपलब्ध नही है। आयोजन से संबन्धित सभी व्यवस्था स्थानीय समाज के द्वारा ही किया जाता है।

**<u>सलहेस उत्सव परम्परा परम्परा के तत्वों के व्यवहार, जीवन्तता और भविष्य</u> -**

आज के परिप्रेक्ष्य में सलहेस उत्सव की जीवंतता और भविष्य खतरे में है क्योंकी नई पीढ़ी में इसकी प्रासंगिकता घटती जा रही है। नतीजन समुदाय के लोगों की सहभागिता इस महत्वपूर्ण अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के आयोजन में घटती जा रही है। कहीं ना कहीं इसके पीछे समाज और स्थानीय शासन की उदासीनता भी इसका प्रमुख कारण है।

**<u>संरक्षण के क्या उपाय अपनाने के सुझाव हैं -</u>**

सलहेस उत्सव के संरक्षण के लिए निम्नलिखित उपाय करने अत्यंत आवश्यक है:

- सलहेस उत्सव के लिए डाटा संकलन कर संदर्भ सूची का निर्माण,
- इस उत्सव के संगठित रूप से गहबरों का निर्माण,
- अत्यंत वृद्ध भगताओं द्वारा नई पीढ़ी के लिए कार्यशालाओं का आयोजन,

- प्रलेखन अनुसंधान के लिए समर्थन व सहायता,
- गुरुओं (परास्नातक) के लिए प्रदर्शन के अवसर, प्रसार और पेंशन.
- परियोजना पारंपरिक ज्ञान, कला, शिल्प के बारे में जागरूकता पैदा करने और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन,
- कुम्हार युवा सदस्यों/कलाकारों के लिए प्रशिक्षण,
- एक कोर ग्रुप मिथिला के कई स्थानों में स्थापित करना,
- शोधकर्ता, विद्वानों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा सामाजिक-आर्थिक व सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण से आध्ययन कर प्रसार करना,
- वीडियो, ऑडियो और फ़ोटो दस्तावेज़ीकरण के माध्यम से प्रलेखन करना,
- समूह चर्चा, प्रदर्शनियों और संगोष्ठी का आयोजन,
- सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक संदर्भ लेकर सलहेस उत्सव के ऊपर प्रकाशन
- सलहेस उत्सव व राजा सलहेस को बच्चों के शैक्षिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए

**<u>सामुदायिक सहभागिता -</u>**

सलहेस उत्सव परम्परा के संरक्षक मैथिल समाज के दुसाध, चमार (चर्मकार), पारंपरिक शिल्पकार जाति कुम्हार, माली तथा सभी इस समाज के सभी श्रमिक, पशुपालक व किसान वर्ग के लोग हैं। इस तत्व के संरक्षण की जिम्मेवारी सीधे-सीधे इन्हीं समूह की है।

**<u>संबंधित समुदाय के संघटक/ प्रतिनिधि</u>**

सलहेस उत्सव, बिहार के आयोजन, संरक्षण व संवर्धन के लिए मुख्य रूप से स्थानीय समाज के अनौपचारिक संगठन ही उत्तरदायी है परंतु प्रत्येक आयोजन स्थल के क्षेत्र में वहाँ का स्थानीय प्रशासन-ग्राम पंचायत, प्रखण्ड के पंचायत समिति और ज़िला परिषद आदि भी इसका पोषण करता है।

**<u>मौजूदा इन्वेंटरी, डेटाबेस या डाटा क्रिएशन सेंटर</u> -**

व्यक्तिगत स्तर पर कुछ छिट-फुट संग्रह के अलावे सलहेस उत्सव का औपचारिक इन्वेंटरी, डेटाबेस या डाटा क्रिएशन सेंटर आदि बहारत में देखने को नहीं मिलता है परंतु महिसौंथा, नेपाल, जहां के राजा सलहेस थे, को नेपाल सरकार ने पर्यटन के रूप में विकसित करने का प्रयास कर रही है संभवत: नेपाल सरकार के पास इस तत्व से संबन्धित इन्वेंटरी, डेटाबेस हो। इसके स्थानीय सरकारी प्रशासन के राजस्व विभाग के पास इसके उस ज़मीन का विवरण जो जहां सलहेस का गहबर है। परंतु इसकी संभावना अत्यंत कम है क्योंकी ज़्यादातर सलहेस गहबर (पूजास्थल) के नाम से पंजीकृत ज़मीन नहीं है। इसके अलावे अछिञ्जल जैसी कई गैरसरकारी संगठन इस तत्व के इनवेंटरी बनाने का काम शुरू किया है।

**<u>परियोजना में विभिन्न स्तर पर सहयोगी -</u>**

सहयोगी -

1. श्री होरिल पासवान, ग्राम+पोस्ट - भटसिमर, ज़िला मधुबनी, बिहार
2. श्री नितेश कुमार झा, ग्राम+पोस्ट - भटसिमर, ज़िला मधुबनी, बिहार

आभार -

3. स्व0 महावीर पासवान
4. श्री महेंद्र मलांगिया
5. श्री महेंद्र नारायण राम
6. श्री जटाधर पासवान
7. श्री घुरण पासवान
8. श्री ब्रह्मानन्द ठाकुर (लोक देवता राजा सलहेस)
9. श्री रामप्रीत पासवान गाँव-करहिया, ज़िला मधुबनी
10. श्री युगती पासवान
11. श्री रामदेव पासवान

संस्था

1. मैथिल यूथ परिषद

2. अछिञ्जल

3. नीलमणि सांस्कृतिक परिषद

4. नारी उदगार संस्थान

सभी जिलों के समाज के लोगों तथा सभी जनप्रतिनिधियों का आभार। जिनका सहयोग इस परियोजना को पूरा करने में सराहनीय है। नक्शे का फोटोग्राफ वेवसाईट (इन्टरनेट) से तथा संदर्भ हेतु रिपोर्ट का कुछ अंश विभिन्न माध्यम से संकलित किया गया है। इन सभी जाने-अंजाने सहयोगियों का आभार।

--- समाप्त ---